संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 71
पृष्ठ 8
शुक्रवार
29 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में ड्राई स्किन? .....
विचार- ईवीएम पर फिर उठे सवाल.....
खेल- विराट की फॉर्म में वापसी....

बदलते परिदृश्य में हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे सेना : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि तेजी से बदलती भू–राजनीतिक स्थिति में सेनाओं को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है। श्रीमती मुर्मु ने गुरूवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन स्थित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज के छात्र अधिकारियों और शिक्षकों को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि देश विकास के पथ पर आगे बढ रहा है और दुनिया रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में हमारे विकास को स्वीकार कर रही है। भारत भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य से सशस्त्र बलों को तैयार रखने के लिए स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक प्रमुख रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है और एक विश्वसनीय रक्षा भागीदार और बड़ा रक्षा निर्यातक बनने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलते भू–राजनीतिक माहौल में हमें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखना है बल्कि साइबर युद्ध और आतंकवाद जैसी नई राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना है। जलवायु परिवर्तन का मुद्दा नए आयाम हासिल कर रहा है जिसे समझने और प्रबंधित करने की जरूरत है। गहन शोध पर आधारित अद्यतन ज्ञान और अत्याधुनिक तकनीकों को लागू करने की जरूरत है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज ने भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बलों के अधिकारियों और नागरिक अधिकारियों को प्रशिक्षित करने तथा शिक्षित करने में सराहनीय योगदान दिया है। पिछले सात दशकों में इसने मध्यम स्तर के अधिकारियों को पेशेवर रूप से तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का सभी सम्मान करते हैं। सशस्त्र बल देश की सीमाओं और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में सबसे आगे हैं। राष्ट्रीय हितों की निरंतर रक्षा करने के लिए राष्ट्र को रक्षा बलों पर गर्व है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि यह अच्छी बात है कि महिला अधिकारी अब तीनों सेनाओं में विभिन्न इकाइयों की कमान संभाल रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती ताकत और भूमिका सभी के लिए, विशेषकर युवा लड़कियों के लिए उत्साहजनक और प्रेरणादायक है। उन्होंने सशस्त्र बलों में अधिक से अधिक महिलाओं के शामिल होने की उम्मीद जताई, जहां वे असाधारण क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकेंगी और अज्ञात क्षेत्रों में नई जमीन हासिल कर सकेंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पाठ्यक्रम छात्र अधिकारियों को जिम्मेदारियों के लिए तैयार करेगा तथा ऐसे रणनीतिकार बनाएगा जो जटिल परिस्थितियों से प्रभावी तरीके से निपट सकें।

भारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न देशों में भारतीय संस्कृति की प्रस्तुतियों का एक वीडियो संकलन साझा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं के दौरान अक्सर पारंपरिक भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की झलक देखने को मिलती है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है। मैं जहां भी जाता हूं, मुझे अपने इतिहास और संस्कृति के प्रति अपार उत्साह दिखाई देता है, जो बेहद खुशी की बात है।'' वीडियो में लोगों को ऑस्ट्रिया में 'वंदे मातरम' गाते और पोलैंड और मास्को (रूस) में गरबा, कजान (रूस) में ढोलिडा, भूटान में डांडिया रास, सिंगापुर में भरतनाट्यम और लाओस और ब्राजील में रामायण गाते हुए दिखाया गया है।

बांदा पहुंचे सीएम योगी

मेडिकल कॉलेज में रानी दुर्गावती की प्रतिमा का किया अनावरण

बांदा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज बांदा जिले का दौरा किया। उन्होंने राजकीय मेडिकल कॉलेज के मुख्य द्वार पर स्थापित वीरांगना दुर्गावती की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने वीरांगना दुर्गावती की वीरता और संघर्ष को नमन किया। इसके बाद उनका काफिला महुआ गांव के लिए रवाना हुआ। सीएम योगी आदित्यनाथ महुआ गांव पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा संगठन मंत्री तेलंगाना राज्य के चंद्रशेखर जी की माता के निधन पर आयोजित त्रयोदशी कार्यक्रम में शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने चंद्रशेखर जी के परिवार के साथ संवेदनाएं व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में उन्हें संबल प्रदान किया। महुआ गांव में शोक संवेदना व्यक्त करने के बाद सीएम योगी वापस मेडिकल कॉलेज हेलीपैड पहुंचे। वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए वह चित्रकूट के लिए रवाना हो गए। चित्रकूट में मुख्यमंत्री विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे और रात्रि प्रवास करेंगे। चित्रकूट पहुंचने के बाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 3रू00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। इसके बाद वह विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामघाट पर स्थित मंदाकिनी नदी की आरती में सम्मिलित होंगे। इसके बाद वह सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। बीते 12 दिनों से बांदा के महुआ गांव में भाजपा के संगठन मंत्री चंद्रशेखर जी के घर पर दिग्गज नेताओं का तांता लगा हुआ है। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री बृजेश पाठक और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित कई बड़े नेता महुआ गांव पहुंच चुके हैं।

स्कूलों को छोड़कर दिल्ली में अभी लागू रहेंगी पाबंदियां, वायु प्रदूषण के बीच एससी का फैसला

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों में उच्च प्रदूषण स्तर पर दिल्ली के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि GRAP&4 उपायों का कार्यान्वयन एक ष्घोर विफलताष था। अदालत ने फैसला सुनाया कि स्कूलों पर प्रतिबंध को छोड़कर सभी प्रदूषण विरोधी उपाय सोमवार तक लागू रहेंगे। अदालत ने प्रदूषण विरोधी संस्था सीएक्यूएम को इस बीच एक बैठक आयोजित करने और प्रतिबंधों को जीआरएपी 4 से घटाकर जीआरएपी 3 या जीआरएपी 2 तक कम करने पर सुझाव देने पर विचार करने का आदेश दिया। अदालत ने निकाय से जरूरत पड़ने पर GRAP 4 और GRAP 3 उपायों वाले एक हाइब्रिड मॉडल को लागू करने पर विचार करने को कहा। पीठ ने कहा कि हम यह स्पष्ट करते हैं कि स्कूलों के संबंध में संशोधित उपायों को छोड़कर सभी जीआरएपी प्ट उपाय सोमवार तक लागू रहेंगे। इस बीच, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग एक बैठक करेगा और GRAP IV से GRAP III या GRAP II में जाने के बारे में सुझाव देगा। हम यह भी स्पष्ट करते हैं कि यह आवश्यक नहीं है कि GRAP IV में प्रदान किए गए सभी उपायों को समाप्त कर दिया जाए। अदालत ने सीएक्यूएम को राष्ट्रीय राजधानी में भारी ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध को लागू करने के उसके आदेशों का उल्लंघन करने के लिए दिल्ली में शीर्ष पुलिस, सरकार और नागरिक एजेंसी के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

जनता के मुद्दे संसद में उठाना मेरी प्राथमिकता रहेगी : प्रियंका

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि उनके लिए संविधान सबसे ऊपर है और संसद में जनता से जुड़े मुद्दों को उठाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। श्रीमती वाड्रा ने लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेने के बाद संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ वह संविधान को मजबूती प्रदान करने की लड़ाई लड़ती रहेंगी और जनता के मुद्दे संसद में उठाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा, "जनता के जरूरी मुद्दों को उठाना, देश और पार्टी के लिए काम करना ही मेरी प्राथमिकता रहेगी। हमारे लिए संविधान से ऊपर कुछ नहीं है। हम संविधान के उसूलों के लिए लड़ते हैं और लड़ते रहेंगे।" इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि श्रीमती वाड्रा के संसद में आने से पार्टी को नयी ऊर्जा मिली है। उन्होंने कहा, "हमें संसद में एक नई ऊर्जा और नई शक्ति मिली है।

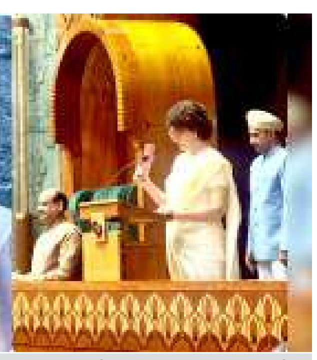

भाई का हाथ थामे संसद पहुंचीं प्रियंका गांधी, सांसद की शपथ के बाद खरगे के छुए पैर

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुईं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने आज संसद सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की. प्रियंका ने हिंदी भाषा में शपथ ली और इस दौरान उन्होंने संविधान की एक प्रति अपने हाथ में ले रखी थी. इस शपथ ग्रहण समारोह में पूरा गांधी परिवार संसद में मौजूद रहा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। प्रियंका गांधी के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उनके भाई और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी फोटोग्राफर की भूमिका में दिखे। राहुल ने अपनी बहन की कई तस्वीरें खीचीं. शपथ के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रियंका को बधाई देते हुए गले भी लगाया. प्रियंका गांधी ने कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भी आशीर्वाद लिया।

बंगाल सरकार 'स्वास्थ्य साथी' योजना के तहत खर्च में वृद्धि की जांच कर रही है : ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान राज्यभर में 'स्वास्थ्य साथी' योजना के तहत खर्च में बढ़ोतरी हुई, जिसके बाद सरकार को मामले की जांच करानी पड़ी। बनर्जी ने विधानसभा में कहा, "उस समय (आरजी कर अस्पताल की घटना के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान) 'स्वास्थ्य साथी' योजना के तहत खर्च में भारी वृद्धि हुई थी। हम जांच कर रहे हैं। दोषियों को सजा दी जाएगी।'' एक सर्वेक्षण से पता चला है कि पीड़ित महिला चिकित्सक के लिए न्याय की मांग को लेकर कनिष्ठ चिकित्सकों के प्रदर्शन के दौरान निजी अस्पतालों में 'स्वास्थ्य साथी' योजना के तहत मरीजों के इलाज पर राज्य के खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी।

संभल हिंसा: संभल के पत्थरबाजों को पकड़ाओं ईनाम पाओ

लखनऊ, संवाददाता। संभल में जामा मस्जिद का सर्वे कराये जाने के दौरान पत्थरबाजी करने वालों के बुरे दिन शुरू हो गये हैं। योगी सरकार ने पत्थरबाजों के पोस्टर चौक–चौराहों पर लगाने के साथ इन पत्थरबाजों को पकड़ने में सहयोग करने वालों को ईनाम भी दे रही है। जामा मस्जिद में मंदिर होने का दावा पेश किए जाने पर हुए दूसरे चरण के सर्वे के दौरान हिंसा फैलाने वाले 250 आरोपितों के पोस्टर पुलिस प्रशासन की ओर से जारी किए गए हैं। इन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के साथ ही शहर व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा किये जा रहे हैं। इनकी पहचान कर पता बताने वालों का नाम गोपनीय रखते हुए उन्हें इनाम भी दिया जाएगा। इसके साथ ही बवाल के बाद फरार हुए उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए एक दर्जन से अधिक टीमें गठित की गई हैं, जो आसपास क्षेत्र के अलावा दिल्ली और उसके आसपास व उत्तराखंड में भेजी गई हैं। इसके साथ ही जिन 27 लोगों को जेल भेजा जा चुका है उनका डाटा खंगाला जा रहा है। संभल पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के अनुसार, जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा के जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उनपर बलवा समेत अन्य धाराएं लगाने के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा कानून यानी एनएसए के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जो लोग भी पत्थर बरसाने, आगजनी करने करने और फायरिंग करने वाले थे उनमें से अधिकांश ड्रोन कैमरों और दुकानों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गए हैं। जिनकी फुटेज निकाली जा चुकी हैं और उनके पोस्टर भी तेयार कराए गए हैं।

प्रयागराज-मुंबई रेल मार्ग भी कवच से होगा लैस, एनसीआर के 348 इंजन कवच से हो गए हैं लैस

प्रयागराज। दिल्ली–हावड़ा, दिल्ली–मुंबई रूट के साथ अब प्रयागराज–मुंबई रूट भी कवच से लैस होगा। उत्तर मध्य रेलवे की बात करें तो इरादतगंज से मानिकपुर तक 1640 करोड़ की लागत से तीसरी लाइन बिछाए जाने के साथ यहां कवच 4.0 को भी इंस्टाल किया जाएगा। इसके बाद इस रूट पर अन्य रेलखंडों पर संबंधित जोनल रेलवे द्वारा भी कवच को इंस्टाल किया जाएगा। ताकि निकट भविष्य में इस पूरे रूट पर ट्रेनों को अधिकतम 160 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलाया जा सके। महाकुंभ संपन्न होने के बाद उत्तर मध्य रेलवे द्वारा इरादतगंज–मुंबई रूट पर कवच से जुड़े कार्य शुरू किए जाने की तैयारी है। एनसीआर में स्वचलित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली यानी कवच को कुछ जगह लगाया भी जा चुका है। प्रयागराज के सूबेदारगंज में कवच लगा दिया गया है। पूरे जोन में तीन हजार किलोमीटर रूट पर कवच सबसे पहले लगेगा। इसके अलावा यहां से गुजरने वाली 700 से अधिक ट्रेनों में कवच का इंस्टालेशन होना है। बताया जा रहा है कि अखिल भारतीय स्तर पर कुल नौ हजार तकनीशियन की प्रशिक्षित टीम 10 हजार लोकोमोटिव इंजन में कवच लगाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। पहले एक लोकोमोटिव में कवच लगाने में कुल 14 दिन का समय लगता था लेकिन अब उन्नत तकनीक की वजह से एक दिन में ही यह इसके इंस्टालेशन की प्रक्रिया हो जा रही है।फिलहाल एनसीआर के 348 इंजनों में कवच इंस्टाल हो गया है।

मथुरा से पलवल के बीच 80 किमी लंबे रेलमार्ग पर कवच का ट्रायल भी हो गया है। अब दिल्ली–हावड़ा रूट के दिल्ली–कानपुर और कानपुर –प्रयागराज रेलखंड पर इसका कार्य हो रहा है। स्टेशन एरिया के रेलवे ट्रैक पर आरएफआईडी टैग्स, स्टेशनरी कवच यूनिट, ट्रैक के पास टावर एवं एंटिना लगाने का तकरीबन 75 फीसदी कार्य हो गया है। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी का कहना है कि कवच पर तेजी से कार्य चल रहा है। ट्रेनों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए यह जरूरी है।

पहली बार प्रधानमंत्री गंगा पूजन कर महाकुंभ की करेंगे शुरुआत, 13 दिसंबर को आएंगे पीएम मोदी

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को खुद गंगा पूजन कर महाकुंभ–2025 की शुरुआत करेंगे। ऐसा पहली बार होगा जब प्रधानमंत्री महाकुंभ आयोजन की शुरुआत करेंगे। इससे पहले आमतौर पर डीएम या मेलाधिकारी ही गंगा पूजन कर माघ मेला या कुंभ की शुरुआत करते रहे हैं। बुधवार को प्रयागराज आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी जानकारी देने के महाकुंभ एवं प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। प्रधानमंत्री 13 दिसंबर को प्रयागराज आएंगे। संगम से

पहले उनका शृंग्वेरपुर धाम में कार्यक्रम प्रस्तावित है। वहां निषादराज पार्क, भगवान राम एवं निषादराज की गले मिलते प्रतिमा, घाट का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद अरैल पहुंचेंगे और वहां से निषादराज क्रूज से संगम आएंगे। संगम नोज पर आयोजित सभा में प्रधानमंत्री साढ़े छह हजार करोड़ रुपये लागत की 150 से अधिक निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री गंगा पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के लिए क्विज की घोषणा की है। क्विज के जरिये युवा ऐतिहासिक विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का हिस्सा बन सकेंगे। प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में यह उनका अमिट योगदान होगा। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में युवाओं से कहा, यह आपके विचारों को सरकार के सर्वोच्च स्तर तक सुनने का एक बहुत ही विशेष अवसर है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का आयोजन अगले साल 11–12 जनवरी को होना है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास, मेजा थाने में दर्ज कराया गया था मुकदमा

प्रयागराज। जिला न्यायालय ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश राजेश कुमार पंचम ने विशेष लोक अभियोजक विनय कुमार त्रिपाठी व मनोज कुमार तिवारी को सुनकर दिया। पीड़िता के भाई ने 2014 में मेजा थाने में मनोज कुमार शुक्ला निवासी जिला हरदोई पर मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिग छोटी बहन का उसने 20 जून 2014 की सुबह अपहरण कर लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता आरोपी के घर से बरामद हुई थी। आरोपी ने अपने बचाव में कहा कि पीड़िता अपनी मर्जी से उसके साथ गई थी। दोनों आर्य समाज में शादी करके पति–पत्नी की तरह रह रहे थे। हालांकि, न्यायालय में पीड़िता नाबालिग साबित हुई। इस पर अदालत ने आरोपी को अपहरण, दुष्कर्म, पॉक्सो, एससी–एसटी एक्ट के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

बीएचयू में छात्र की मौत का मामला :हाईकोर्ट ने पुलिसकर्मियों के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल करने के लिए दिया समय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीएचयू के छात्र की मौत के मामले में आरोप पत्र दाखिल करने के लिए राज्य सरकार की प्रार्थना को स्वीकार करते हुए समय दे दिया है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली व न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ ने सौरभ तिवारी की जनहित याचिका पर दिया है। राज्य के वकील ने न्यायालय को बताया कि तीन दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध 18 सितंबर को अभियोजन की स्वीकृति राज्य सरकार ने दे दी थी। इसपर मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि मामले में दोषियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल हुआ कि नहीं। इस पर राज्य सरकार के अधिवक्ता ने समय मांगा। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के अधिवक्ता को समय देते हुए अगली सुनवाई की तिथि चार दिसंबर निर्धारित कर दी। इन पर्सन याची अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने बताया कि बीएचयू में बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र शिव कुमार त्रिवेदी 13 फरवरी 2020 को संदिग्ध हालात में लंका थाना वाराणसी से लापता हो गया था। सीबीसीआईडी की जांच में पाया गया कि बीएचयू छात्र की मौत 15 फरवरी 2020 को रामनगर वाराणसी के यमुना पोखरी में डूबने से हुई। इसके बाद 16 अगस्त 2022 को मामले में आठ पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

भगवान की पा सदैव कल्याणकारी-डॉ. शिवशंकर रैठ में हो रही श्रीमदभागवत कथा में उमड़े श्रद्वालु

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के रैठ गांव में रही श्रीमदभागवत कथा में गुरूवार को श्रद्धालु भगवान की महिमा का वर्णन सुनकर मंत्रमुग्ध हो उठे। कथाव्यास डॉ. शिवशंकर तिवारी ने कहा कि भगवान के नाम मे ही जीव का कल्याण है। उन्होनें कहा कि भगवान की कृपा सभी पर सदैव हुआ करती है। उन्होनें कहा कि अधर्म और अनीति का मार्ग जीव के लिए सदैव कष्टकारी हुआ

करता है। कथाव्यास डॉ. शिवशंकर तिवारी ने कहा कि जीवन में स्वयं तथा पीढ़ी के कल्याण के लिए सदैव सुचिता के मार्ग पर प्रतिबद्ध रहना चाहिए। उन्होनें कहा कि भगवान मनुष्य के कर्म के आधार पर उसका उद्धार सुनिश्चित किया करते हैं। डॉ. शिवशंकर तिवारी ने बताया कि श्रीमदभागवत गीता का हर अध्याय सत्य तथा धर्म का मार्गदर्शन किया करता है। उन्होनें कहा कि श्रीकृष्ण के लीलावतार में जगत को धर्म तथा ज्ञान व मुक्ति का मार्गदर्शन है। कथा के संयोजक प्रेमशंकर तिवारी तथा राजबल्लभ तिवारी ने व्यासपीठ का वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य पूजन अर्चन किया। कथा के दौरान संगीतमयी सुमधुर वचनों पर महिला श्रद्धालुओं को संगत में देखा गया। इस मौके पर ज्ञानप्रकाश शुक्ल, दिनेश कुमार तिवारी, देवेश तिवारी, रामपाल द्विवेदी, विनय कुमार, रामकरन मिश्र, सागर तिवारी, राहुल मिश्र, अनिल महेश आदि रहे।

एटीएल ग्राउण्ड में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत 540 जोड़ों का विवाह पूरे विधि विधान के साथ भव्य रूप से हुआ सम्पन्न,

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 529 हिन्दु जोड़े व 11 मुस्लिम जोड़े विवाह के बंधन में बंधे, नव दांपत्य जोड़ों को विधायक, भाजपा जिलाध्यक्ष, जिलाधिकारी व अन्य अतिथियों ने दिया आर्शीवाद

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत एटीएल ग्राउण्ड में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत 540 जोड़ों का विवाह पूरे विधि विधान के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में 529 हिन्दू जोड़े एवं 11 मुस्लिम जोड़े विवाह के बंधन में बंधे। सभी शादियां अपने रीति रिवाज के अनुसार हुई हिंदू धर्म की शादी वेद मंत्रों के उच्चारण के माध्यम से व मुस्लिम शादियां निकाह के माध्यम से संपन्न की गई। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा सहित अन्य अतिथियों ने नव दांपत्य जोड़ों को प्रमाण पत्र का वितरण कर आर्शीवाद दिया। इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य ने सभी जोड़ो को बधाई देते हुये समाज कल्याण विभाग द्वारा किये गये भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम की प्रशंसा की और कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत गरीब परिवार की बेटियों को परिणय सूत्र में बांधने का कार्य कर रही है। उन्होने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी का सपना है कि कोई पिता अपने पुत्री की शादी करने से वंचित नहीं रहना चाहिए इसलिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना चलाई गई है। यह योजना गरीब, असहाय एवं निर्धन व्यक्तियों के पुत्रियों के जीवन में खुशहाली लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के सबका साथ–सबका विकास–सबका विश्वास–सबका प्रयास के साथ कार्य कर रही है। जनपद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम को उत्सव की तरह मना रहे है। उन्होने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के भव्य आयोजन एवं कुशल नेतृत्व हेतु जिलाधिकारी की भी प्रशंसा की।

शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने परिणय सूत्र में बंधने वाले सभी जोड़ो को बधाई दी और कहा कि मुख्यमंत्री जी की सोच है कि गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों का विवाह आसानी से एवं कम से कम खर्च में हो सके इसलिये मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना संचालित की गयी है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी जोड़ों में काफी प्रसन्नता देखी जा रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब एवं असहाय परिवारों के लिये वरदान सावित हो रही है। उन्होने कहा कि बिना किसी भ्रष्टाचार के शासन की योजनाओं का लाभ गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को मिल रही है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का यह स्वरूप देखकर बहुत ही अच्छा लग रहा है। कन्यादान से बड़ा कोई दान नही होता है। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम जिलाधिकारी के अथक प्रयासों से जनपद में धूमधाम से सम्पन्न हुआ, यह गौरव की बात है कि जनपद में आज 540 जोड़ों का विवाह सकुशल सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने आये हुये अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत एक जोड़े पर सरकार द्वारा 51000 रूपये की धनराशि खर्च की जाती है जिसमें 35 हजार रूपये लड़की के खाते में, 10 हजार का श्रंगार, ज्वेलरी ,कपड़ों, बर्तन पर खर्च किये जाते हैं व 6 हजार रुपए की धनराशि से विवाह कार्यक्रम के आयोजन पर व्यय किए जाते हैं। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सहायता राशि एक सप्ताह के अन्दर लड़की के खाते में धनराशि भेज दी जायेगी।

एटीएल ग्राउण्ड में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत विकास खण्डवार अलग–अलग काउण्टर बनाये गये थे जिनमें धर्मो की रीति रिवाजों के अनुसार विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत विकास खण्ड आसपुर देवसरा के 20, बाबा बेलखरनाथधाम के 41, पट्टी के 08, मंगरौरा के 58, सण्ड़वा चन्द्रिका के 51, मानधाता के 50, सदर के 25, गौरा के 14, शिवगढ़ के 18, लालगंज के 33, लक्ष्मणपुर के 58, सांगीपुर के 20, रामपुर संग्रामगढ़ के 29, कुण्डा के 37, कालाकांकर के 31, बिहार के 13, बाबागंज के 13 जोड़ो व समस्त नगर पंचायत के 21 जोड़ों का विवाह पूरे विधि विधान के साथ शादी सम्पन्न करायी गयी। सामूहिक विवाह कार्यक्रम के उपरान्त सभी जोड़ो व उनके परिवार लोगों ने भोजन ग्रहण किया और अपने–अपने घरों से लिये प्रस्थान किये। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव, जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य के प्रतिनिधि राय साहब सिंह, सांसद प्रतिनिधि बीएल पटेल सहित अन्य अधिकारीगण व समाजसेवी रोशन लाल ऊमरवैश्य, एआरपी धर्मेन्द्र ओझा व अन्य गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुये। कार्यक्रम का संचालन डा0 मो0 अनीस द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं,

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

महाकुम्भ से पहले बदल जाएगा रसूलाबाद घाट का नाम

प्रयागराज। महाकुम्भ से पहले रसूलाबाद घाट का नाम बदल जाएगा। इसका संकेत बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने दशाश्वमेध घाट और गंगा रिवर फ्रंट रोड के निरीक्षण करने के दौरान दिया। उन्होंने प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात व मेलाधिकारी विजय किरन आनंद को घाट का नाम बदलने का निर्देश दिया। निर्देश का ही असर रहा कि मौके पर मौजूद अधिकारियों के बीच इस बात पर चर्चा होनी शुरू हो गई कि रसूलाबाद घाट का नाम बदलकर मां गंगा से संबंधित कोई घाट किया जा सकता है।

तंगहाली ने पैदा किया हैंडबॉल खेलने का जुनून, अब यूपी से खेल रहे प्रिंस

प्रयागराज। नैनी के प्रिंस मिश्रा के हौसले के आगे मुश्किलें भी पस्त हो गईं। तंगहाली ने उसके अंदर हैंडबॉल खेलने का जुनून पैदा किया। नतीजा यह रहा कि डेढ़ साल के निरंतर अभ्यास के बलबूते प्रिंस ने यूपी की (अंडर–14) हैंडबॉल स्कूलीय टीम में जगह बनाई है। अब वह छत्तीसगढ़ में 25 से 29 नवंबर तक चल रही अखिल भारतीय स्कूलीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में यूपी टीम के लिए दमखम दिखा रहे हैं। प्रिंस नैनी के हैंडबॉल मैदान में अभ्यास करते हैं। घर की माली हालत ठीक नहीं होने की वजह से वह भरपूर डाइट भी नहीं ले पाते। कोच कहते हैं कि लड़के में बहुत जान है। एक बार मैदान में आ जाए तो घंटों बाहर नहीं निकलता। अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए प्रिंस दिन–रात अभ्यास करता है। उसने महज डेढ़ साल की प्रैक्टिस में ही यूपी टीम में जगह बनाई है। उसका एक ही सपना है देश के लिए मेडल जीतना। प्रिंस खेल के बदौलत नौकरी हासिल कर अपने घर की आर्थिक स्थिति को सुधारने की कोशिश में हैं। हाल ही में प्रिंस ने झांसी में स्कूल स्टेट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। जहां कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया था। वह 2023 में प्रयागराज में आयोजित स्कूल स्टेट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। प्रिंस के पिता रवि मिश्रा निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड हैं और मां उमा मिश्रा गृहिणी हैं। प्रिंस दो भाई व तीन बहन हैं। कई खिलाड़ी आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे हैं। यही तंगहाली उनके अंदर जुनून पैदा करती है। वह मैदान पर अपने खेल में लगातार निखार लाने का प्रयास करते रहते हैं।

आठ सामग्रियों से तैयार हो रहा पांटून पुल

प्रयागराज। महाकुम्भ के लिए मेला क्षेत्र में तीस पांटून पुल बनाया जा रहा है। इन पुलों को बनाने के लिए आठ तरीके की सामग्रियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें साल स्लीपर की संख्या 99223 है तो इसके साथ 10874 साल एजिंग पुलों में लगाया जा रहा है। 33080 रेलिंग पोस्ट पुल के दोनों छोर में लगाई जाएगी, जबकि 116052 चकर्ड प्लेट लगाने का कार्य हो रहा है। अन्य सामग्रियों में आयरन एंकर की संख्या 150, पांटून 3308, मेनहोल कवर 6616 व आरएस ज्वाइस्ट 19081 लगाया जा रहा है। जो 5. 2 मीटर की दूरी पर प्रत्येक पुल पर रखा जा रहा है।

एसआरएन में तोड़ी गयी पार्किंग, शुरू हुई एलईडी

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए बनाए जा रहे परिपथ के तहत बुधवार को मानसिक रोग विभाग के सामने स्थित पार्किंग तोड़ दी गयी। इससे ट्रामा सेंटर से पीएमएसएसवाई बिल्डिंग तक मरीजों को स्ट्रेचर व ह्वीलचेयर पर लाने व ले जाने में आसानी होगी। पार्किंग होने के कारण पर्याप्त रास्ता नहीं मिल पाता था। अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय सक्सेना के अनुसार अस्पताल परिसर में परिपथ का निर्माण शीघ्र पूरा हो जाएगा। पीएमएसएसवाई बिल्डिंग में मरीजों की सुविधा के लिए लगाई गई छह एलईडी पिछले कई माह से बंद थीं। बुधवार को अस्पताल में टीम के संभावित निरीक्षण को देखते हुए सभी एलईडी सही कर दी गयी। एलईडी के माध्यम से मरीज अस्पताल व स्वास्थ्य विभाग की संचालित योजनाओं के बारे में आसानी से जानकारी प्राप्त करते हैं।

सीता के राम में कलाकार दिखाएंगे प्रतिभा

प्रयागराज। घुंघरू प्रशिक्षण संस्थान के एक दर्जन बाल कलाकार दो दिनों तक 'सीता के राम सांस्कृतिक महोत्सव में अपनी प्रतिभा दिखाने जा रहे हैं। महोत्सव का आयोजन प्रयाग संगीत समिति के साउथ मलाका परिसर में 29 व 30 नवंबर को होगा। जिसमें राम जन्म, सीता स्वयंवर व रामराज्याभिषेक जैसी प्रस्तुतियां की जाएंगी। संस्थान की अध्यक्ष मीना खन्ना ने बताया कि महोत्सव की तैयारियां सात दिन पहले से की जा रही हैं। संस्थान के 12 कलाकारों के साथ ही अन्य संस्थाओं से 18 बाल कलाकारों को महोत्सव में आमंत्रित किया गया है। इसका शुभारंभ पहले दिन शाम पांच बजे होगा।

जयंती पर मुंशी काली प्रसाद के योगदान को किया याद

प्रयागराज। केपी ट्रस्ट के संस्थापक मुंशी काली प्रसाद की जयंती के अवसर पर 152वां संस्थापक दिवस सप्ताह बुधवार को शुरू हुआ। तीन दिसंबर तक चलने वाले सप्ताह में ट्रस्ट के विद्यालयों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्थापक दिवस की शुरूआत मुख्य अतिथि व केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार सिन्हा ने केपी इंटर कॉलेज परिसर में स्थित मुंशी काली प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किए। इस मौके पर डॉ. सिन्हा ने कहा कि मुंशी काली प्रसाद का मानना था कि समाज का कोई वर्ग अशिक्षित न रहे। शिक्षा इतनी महंगी न हो कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को शिक्षा न मिल सके इसके लिए उन्होंने ट्रस्ट की शुरूआत की। डॉ. सिन्हा ने कहा कि मुंशी काली प्रसाद के अधूरे सपने को सबके सहयोग से पूरा करना लक्ष्य है। इस अवसर पर अतिथियों केपी इंटर कॉलेज की ओर से प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया गया।

अपनी जड़ों से जुड़े रहना कुम्भ परंपरा का जीवंत रूप रूचंपत राय

प्रयागराज। महाकुम्भ की विविधता पर मंथन के लिए थिंक टैंक काउंसिल की ओर से एमएनएनआईटी में आयोजित तीन दिवसीय तृतीय कुम्भ कॉन्क्लेव का बुधवार को समापन हुआ। इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव व विहिप के उपाध्यक्ष चंपत राय

ने कहा कि कॉन्क्लेव का आशय समागम से है, जिसमें धर्म, संस्कृति और विकास का संगम है। सदियों पूर्व नैमिषारण्य में 84 हजार ऋषि–मुनि एकत्रित होकर मानव कल्याण के निमित्त चर्चा करते थे। इस समागम का संदेश विश्व के हर कोने में जाएगा। हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना होगा। हमारी जड़े जीवन जीने के लक्ष्य तय करती हैं। कुम्भ उसी परंपरा का एक जीवंत रूप है। ऑनलाइन संबोधन में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि संगम केवल नदियों का ही नहीं बल्कि धर्म, आस्था और विचारों का भी संगम है।

'महाकुंभ 2025 मे लगने वाले नेत्र कुम्भ हेतु वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ भूमि पूजन'

प्रयागराज कुम्भ क्षेत्र मे महाकुंभ मे पचास दिवसों तक चलने वाले नेत्र कुम्भ हेतु वैदिक मंत्रोच्चार और वैदिक रीतिरिवाज तथा सनातन परम्परा के अनुसार विधिवत भूमि पूजन प्रवीण भाई वसानी प्रबंध न्यासी रणछोड़ दास जी बापू चौरिटेबल हास्पिटल राजकोट गुजरात, कवीन्द्र प्रताप सिंह, सर्वज्ञ राम मिश्र, पूर्व आई ए एस, सत्य विजय प्रान्त सेवा प्रमुख काशी प्रान्त डा एस पी सिंह पूर्व प्राचार्य एम एल एन मेडिकल कॉलेज ने अपनी अपनी धर्म पत्नियों के साथ किया भूमि पूजन के पश्चात क्षेत्र प्रचारक अनिल जी ने कहा कि 2019 के अर्धकुम्भ मे सक्षम और सहयोगी संगठनों द्वारा नेत्र कुम्भ लगाया गया था जिसमें एक लाख पचास हजार से अधिक निःशुल्क चश्मा वितरण और तीन लाख से अधिक लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया था इस बार तीन लाख से अधिक निःशुल्क चश्मा वितरण और पांच लाख से अधिक चश्मा वितरण तथा पचास हजार लोगो की नेत्रों की सर्जरी श्रद्धालुओं के जनपद व प्रान्त मे वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क कराने का लक्ष्य है साथ ही कहा कि देश मे लगभग एक करोड़ पचास लाख लोग अन्धता से पीड़ित है ऐसे लोग भी दुनिया को देख सके हम लोगों को मृत्योपरान्त नेत्र दान के लिए आगे आना चाहिए नेत्र कुम्भ मे नेत्र दान करने के लिए रजिस्ट्रेशन हेतु काउन्टर बनाने की भी बात कही साथ ही श्री लंका जैसे छोटे देश का उदाहरण देते हुए कहा कि अपने देश को अन्धता की आवश्यकता को पूरा करने के पश्चात दूसरे देशों को भी लाखो की संख्या मे कार्निया देता है तो हम क्यों नही हम सब को भी नेत्र दान हेतु संकल्प लेना चाहिए जिससे मेरे न रहने पर भी मेरे नेत्रों से नेत्रहीन व्यक्ति के ज्योति मिल सके और मेरी आँखों से मां भारती की खूबसूरती का दर्शन कर सके। सक्षम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चन्द्रशेखर ने कहा कि देश के सभी क्षेत्रों प्रान्तों पाच सौ विख्यात नेत्र चिकित्सक विभिन्न चिकित्सालयों एम्स पी जी आई मेडिकल कालेजों तथा सेना के नेत्र विशेषज्ञों द्वारा नेत्र परीक्षण और एक हजार आप्टोमेटिक्स तथा टेक्निकल स्टाफ के सहयोग से प्रतिदिन दस हजार श्रद्धालुओं का नेत्र परीक्षण तथा आवश्यकता अनुसार चश्मा उपलब्ध कराने की योजना है साथ ही कहा कि एलोपैथिक आयुर्वेदिक होम्योपैथिक चिकित्सक द्वारा समान्य रोगियों का परीक्षण और एक पैथोलॉजी भी रहेगी जिसमें ब्लड जांच भी की जाएगी नेत्र कुम्भ के महाप्रबंधक सत्य विजय ने कहा सेवा देने वाले चिकित्सकों आप्टोमेटिक्स टेक्निकल स्टाफ और नेत्र कुम्भ मे सेवा देने वाले स्वयंसेवकों सहित लगभग पाच सौ लोगों के आवासीय और भोजन की व्यवस्था रहेगी साथ ही नेत्र परीक्षण हेतु आने वाले सभी श्रद्धालुओं को जलपान की व्यवस्था दिल्ली के झंडे वाली मन्दिर के सहयोग से किया जायेगा। भूमि पूजन मे प्रमुख रुप से जूना अखाड़े के महामण्डलेश्वर सन्त सहित प्रान्त प्रचारक रमेश जी सह प्रान्त संचालक पूर्व कुलपति प्रो राणा कृष्ण पाल सिंह सह प्रान्त कार्यवाह रास विहारी आलोक मालवीय प्रान्त समरसता प्रमुख विभाग संचालक प्रो के पी सिंह विभाग कार्यवाह संजय डा वत्सला मिश्रा प्राचार्य डा नीरज अग्रवाल डा यू बी यादव डा कृतिका अग्रवाल राजेश प्रताप सह प्रचार प्रमुख डा कमलाकांत वरुण प्रताप रीतेष कुमार डा रंजन वाजपेयी सहित संघ और समाज के सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया।

चार आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का क्रास केस

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास व घर में घुसकर मारपीट समेत गंभीर धाराओ मे क्रास केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के मदनगढ़ बेलहा निवासी गोपाल यादव पुत्र गया प्रसाद ने दी गई तहरीर में कहा है कि बीती नौ नवंबर को आरोपी गांव के ओमप्रकाश यादव, रामआसरे पुत्रगण तथा ओमप्रकाश की पत्नी सावित्री व सुभाष के पुत्र शुभम ने लाठी डंडे से हमला बोल दिया। आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए घर में घुसकर मारपीट की। हमले में पीडित बेहोश हो गया। पीडित ने कोतवाली मे तहरीर दी किन्तु जांच के नाम पर केस दर्ज करने में पुलिस आनाकानी करती रही। इसके बाद पीडित ने सीओ से फरियाद की। सीओ रामसूरत सोनकर के निर्देश पर पुलिस ने ओमप्रकाश समेत चार के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसके पहले ओमप्रकाश की तहरीर पर पुलिस ने विपक्षियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है, सत्यता के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुराण और श्रीमद् भागवत पुराण विषयक व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज ।संस्कृत विभाग सीएमपी महाविद्यालय में आनुसंधानिकशास्त्रचर्या के अंतर्गत श्केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगानाथ झा परिसरश के प्रोफेसर मनोज कुमार मिश्र का आज पुराण और श्रीमद्भागवत पुराण विषयक व्याख्यान आयोजित हुआ जिसमें विद्वान वक्ता ने श्रीमद्भागवत महापुराण के दार्शनिक एवं कर्मकांडीय महत्व की व्याख्या की साथ ही समाज में कुछ अज्ञानी कथावक्ताओं के द्वारा शास्त्र विरुद्ध आचरण और व्यवहार करने पर हार्दिक रोष व्यक्त किया तथा उनसे संतुलित आचरण करते हुए मोक्षगामी होने की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर विभाग के सभी शोध छात्र तथा प्राध्यापक उपस्थित थे। विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर सुरेंद्र पाल सिंह ने वक्ता का स्वागत तथा डॉक्टर सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया एवं सभा का संचालन डॉक्टर भानु प्रकाश त्रिपाठी ने किया।

काव्य पाठ तथा देश भक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी महाविद्यालय के भूगोल विभाग की ओर से गुरुवार को काव्यपाठ और देशभक्ति गीत प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में स्नातक तथा स्नातकोत्तर के विद्यार्थियो ने भाग लिया। इसमे विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति के विभिन विषयों ग्राम की ओर, भारत की स्त्रियाँ, ए नमन उनको, जागीर, जो बीत गई, जिन्दगी तथा देश भक्ति के विभिन्न गीतों से अपनी प्रस्तुति दी। काव्य पाठ प्रतियोगिता में सौरभ शुक्ला बीए द्वितीय वर्ष को प्रथम स्थान , दिव्यांशु उपाध्याय एम. ए प्रथम सेमेस्टर और अरसीन फातिमा बी ए प्रथम वर्ष को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान , प्रतीक कुमार यादव बीए प्रथम वर्ष को तृतीय स्थान तथा शिवम शुक्ला बी ए द्वितीय वर्ष को सांत्वना पुरस्कार मिला। देश भक्ति प्रतियोगिता में दिव्यांशु उपाध्ध्याय एम ए प्रथम सेमेस्टर को प्रथम स्थान सौरभ शुक्ला बी ए द्वितीय वर्ष को द्वितीय स्थान, श्रुति दुबे बी ए द्वितीय वर्ष को तृतीय स्थान तथा शमशेर सिंह को सान्त्वना पुरस्कार मिला । कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर अर्चना त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर विभाग विभागाध्यक्ष प्रो. आर सी सिंह, श्री मती प्रतिभा सिंह, डा. अर्चना राजे , डा. उत्तरा सिंह तथा डॉ प्रणयकांत विश्वास उपस्थित थे ।

एमपी डिग्री कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज ससीएमपी डिग्री कॉलेज के भौतिकी विभाग ने फिजिक्स सोसाइटी, श्एटोमिकाश के तत्वावधान में कॉलेज के डायमंड जुबली वर्ष मनाने के लिए ष्हैंडलिंग ऑफ म्यूरिंग इंस्ट्रूमेंट्सष विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य प्रयोगशाला प्रयोगों के दौरान विभिन्न माप उपकरणों का उपयोग करते समय माप उपकरणों को प्रयोग करने में छात्रों के सामने आने वाली आम चुनौतियों का समाधान करना था। इसलिए व्यावहारिक ज्ञान और कौशल के अंतर को कम करने के लिए वक्ता डॉ. ज्ञान प्रकाश, डॉ. अजय कुमार यादव, डॉ. हरीश चंद्र यादव, डॉ. हरि प्रताप भास्कर, डॉ. संगीता सिंह और डॉ. अतुल सिंह भारद्वाज ने प्रासंगिक विषयों जैसे उपकरणों का प्रयोग, डेटा का ग्राफिकल रिप्रेजेंटेशन, व्यवस्थित और यादृच्छिक त्रुटियां, लंबन त्रुटि, बैकलैश त्रुटि, जटिल गणनाओं के लिए लॉगटेबल का उपयोग करना, न्यूनतम गणना त्रुटियों की गणना करना आदि विषयों पर व्याख्यान दिया। साथ ही साथ उपकरणों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। माप उपकरणों को प्रयोग करने के तकनीकी पहलुओं के अलावा, डॉ. नीलेश कुमार राय ने रिपोर्ट बनते समय प्रयोगात्मक डेटा की उचित प्रस्तुति करने के विभिन्न विधियों पर चर्चा की। कार्यशाला का उद्घाटन भौतिकी विभाग के संयोजक प्रोफेसर राकेश कुमार के स्वागत भाषण से हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रोहित कुमार ने किया। डॉ. राजेश कुमार यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। लैब स्टाफ सदस्य श्री आशुतोष श्रीवास्तव, श्री अतुल श्रीवास्तव, श्री विशाल, श्री बालचन्द्र, श्री श्याम, श्री अशोक, श्रीमती नीता ने भी कार्यशाला के सफल आयोजन में योगदान दिया। कार्यशाला में लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

लोकपाल समाज शेखर ने पटटी के बारडीह ग्राम पंचायत के अति प्राचीन विराट धाम का भ्रमण व निरीक्षण किया

खण्ड विकास अधिकारी पटटी को मनरेगा तथा ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं द्वारा मूलभूत सुविधाओं हेतु 6 विन्दूओं पर आवश्यक संस्तुति की

प्रतापगढ़ सलोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने पटटी के बारडीह ग्राम पंचायत के अति प्राचीन विराट धाम का धाम के मुख्य पुजारी वी0एस0 पाठक के आवेदन के क्रम में स्थलीय भ्रमण कर निरीक्षण किया। उनके साथ पुरातत्वविद् प्रो0 पीयूष कान्त शर्मा सहित क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता व गण मान्य नागरिक उपस्थित रहे। लोकपाल ने भ्रमण व निरीक्षण के पश्चात खण्ड विकास अधिकारी पटटी को मनरेगा तथा ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं द्वारा मूलभूत सुविधाओं हेतु 6 विन्दूओं पर आवश्यक संस्तुति की है। लोकपाल समाज शेखर ने पुरातत्वविद् के साथ प्राचीन विशाल टीले का भ्रमण किया। ग्रामीणों ने अवगत कराया कि पुराने समय से उक्त टीला महाभारत कालीन राजा विराट की नगरी के रूप में जाना जाता है। इसी स्थल से जुडे दो स्थल महदहा तथा दमदम मध्य पाषाण काल संस्कृति के संरक्षित स्थल है। टीले के नीचे पूर्वी दक्षिणी किनारे पर महादेव भोले नाथ सहित विभिन्न देवी देवताओं की मूर्ति छोटी छोटी मन्दिरों में विद्यमान पाई गई। टीले के चारो तरफ प्राचीन झील के अवशेष तथा पूर्वी छोर पर तालाब व नाला स्थित है। टीले के उपर दक्षिण पश्चिम किनारे पर एक प्राचीन कुआं स्थित है जो अभी भी जीवन्त है। ग्रामीणों ने सलाह दी की उक्त कुंआ प्राचीन समय से यहां एक मात्र पेयजल का स्त्रोत रहा है इस कुंए को ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संरक्षित कराया जाए। लोकपाल समाज शेखर ने निरीक्षण व सभी से चर्चा कर निम्नांकित निर्णय लिया कि विराट धाम के नाम से स्थित इस प्राचीन टीले तक ग्राम से जाने वाले एक मात्र मार्ग को मनरेगा तथा अन्य ग्राम विकास विभाग योजना द्वारा विकसित किया जाए। पटटी चांदा मुख्यमार्ग से उक्त टीले तथा धाम को सीधे सडक बनाकर जोडा जाए। ग्रामीणों के अनुसार उक्त मार्ग पर चकमार्ग पूर्व से दर्ज है। प्राचीन कुंए का संरक्षण व पुनरोद्धार मनरेगा तथा ग्राम्य विकास की अन्य योजनाओं द्वारा कराया जाए। साथ ही ब्लाक भूगर्भ जल परिषद् द्वारा उक्त कुंए का पंजीकरण कर संरक्षित भी किया जाए। प्राचीन नाले का प्रबन्धन तथा संरक्षण ग्राम पंचायत द्वारा तकनीकी कारणों तथा स्थानीय सुझाव व आवश्यकता को ध्यान में रखकर किया जाए। आवश्यकतानुसार खुदाई व तालाबों से लिंकेज तथा चेकडैम आदि का निर्माण हो। सभी की मांग पर दर्ज तालाबी भूमि को नौका विहार हेतु विकसित किए जाने का निर्णय लिया गया। आवश्यकतानुसार पौधरोपण तथा झाडी आदि की साफ सफाई आदि कराया जाए। उपरोक्त समस्त विन्दुओं पर कार्यक्रम अधिकारी खण्ड विकास अधिकारी से लोकपाल समाज शेखर ने अपेक्षा कि है कि इस प्राचीन महत्व के स्थल विराट धाम के संरक्षण व विकास में ग्राम्य विकास विभाग तथा मनरेगा द्वारा आव्श्यक योजना बनाकर नियमानुसार कार्य कराया जाना आवश्यक प्रतीत होता है। लोकपाल ने जिला कार्यक्रम समन्वयक तथा जिलाधिकारी महोदय एवं अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक तथा मुख्य विकास अधिकारी से आग्रह किया है कि उक्त प्राचीन स्थल के पर्यटन तथा पुरातात्विक संरक्षण व विकास तथा उत्खनन सर्वेक्षण आदि हेतु सम्बन्धित विभागों को निर्देशित करने का कष्ट करें। जिससे उक्त प्राचीन स्थल का महत्व जनपद के महत्व को निरन्तर बढा सके। इस अवसर पर प्रमुख रूप से धाम के मुख्य पुजारी वी एस पाठक पुरातत्वविद् प्रो0 पीयूष कान्त शर्मा विवेकानन्द पुरस्कार विजेता सुन्दम तिवारी योगी सेना के जिलाध्यक्ष दुर्गेश तिवारी विधायक पटटी के प्रतिनिधि प्रेम पटेल युवा नेता शिवा पाण्डेय सुरेन्द्र पटेल पृथ्वीराज गोपाल पाठक राजेश कुमार व बाल मुकुन्द यादव आदि शामिल रहे।

पुराने भवन के निर्माण में उड़द दाल, गुगुल के उपयोग

प्रयागराज। नगर निगम की मुख्य इमारत की मरम्मत उड़द दाल, गुगुल आदि से हो रही है। नगर निगम में लोकार्पण के लिए जाते समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शीशे की बोतल में रखी सामग्री देखककर अधिकारियों से पूछताछ की। अधिकारियों ने बताया कि पुराने भवन की मरम्मत में ये सामग्री प्रयोग की जा रही है। सामग्री के नमूनों में उदड़ की दाल और गुगुल भी था। पुराने जमाने में भवन निर्माण में उपयोग होने वाली उड़द दाल और गुगुल समेत कई पुरानी सामग्री देख मुख्यमंत्री ने पूछा, क्या आज भी इनका इस्तेमाल हो रहा है? नौ करोड़ की लागत से पुराने भवन की मरम्मत हो रही है। इसकी मरम्मत में अबुल कलाम विश्वविद्यालय के पुरातत्व विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायालय - आयुक्त प्रयागराज मण्डल प्रयागराज

अपील संख्या - 05 सन 2008 C2011020000298

भगवती प्रसाद ...**वादी/अपीलार्थी**

बनाम

1.**राम प्रसाद** पुत्र बैजनाथ निवासी 158 पी जी सूबेदारगंज स्टेशन रोड इलाहाबाद / प्रयागराज जगमल हाता के बगल (मकान मालिक किशन लाल), 2. **विकास चंद्र श्रीवास्तव** पुत्र दरबारीलाल निवासी मकान नंबर 128-ए/1ए /111 मोहल्ला भोला का पूरा तहसील सदर इलाहाबाद / प्रयागराज , 3. **सरोज सिंह** पत्नी राम राज सिंह निवासी भोला का पूरा तहसील सदर इलाहाबाद / प्रयागराज , 4. **विमला देवी** पत्नी राम खेलावन सिंह निवासी भोला का पूरा तहसील सदर इलाहाबाद / प्रयागराज , 5. **बद्री प्रसाद** पुत्र राम अवध निवासी मकान नंबर 128/1पी भोला का पूरा तहसील सदर इलाहाबाद / प्रयागराज , 6. **गंगा देवी** पत्नी माता फेर यादव निवासी 128/1ए /1एफ भोला का पूरा तहसील सदर इलाहाबाद / प्रयागराज , 7. **धन्नो देवी उर्फ मालती देवी** पत्नी स्व. उमा निकेत सिंह निवासी भोला का पूरा परगना व तहसील सदर इलाहाबाद / प्रयागराज , 8. **सुनीता सिंह** पत्नी प्रेम सिंह निवासी 128 एम / 5 भोला का पूरा परगना व तहसील सदर इलाहाबाद / प्रयागराज , 9. **श्रीमती गंगा देवी** पत्नी मान सिंह निवासी भोला का पूरा परगना व तहसील सदर इलाहाबाद / प्रयागराज, 10. **प्रेम नाथ** पुत्र रामदीन निवासी 128/1ए भोला का पूरा परगना व तहसील सदर इलाहाबाद / प्रयागराज , 11. **गाँव सभा उमर पुर नीवा** परगना व तहसील सादर जनपद इलाहाबाद / प्रयागराज

...**प्रतिवादीगण**

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए 2024 के 12 के 30 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न मे स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया है।

ता.पेशी 30/12/2024

न्यायाधीश

एकल गीत प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज सचौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय प्रयागराज में मुंशी काली प्रसाद जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष प्रो० अर्चना खरे द्वारा आज दिनांक 28ध11ध2024 को एकलगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक मंडल में प्रो० आभा त्रिपाठी, प्रो० भावना चौहान एवं दीप्ति विष्णु रही । कार्यक्रम संयोजक डॉ० रश्मि गुप्ता, मंच संचालन डॉ० आकांशा पाल, धन्यवाद ज्ञापन डॉ० निधि श्रीवास्तव ने किया।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य अजय प्रकाश खरे ने किया । संपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ० सुशील कुमार सिन्हा द्वारा की गई कार्यक्रम में उपप्राचार्य प्रो० नीता सिन्हा एवं अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में

प्रथमः– रिया यादव, नीरज गौतम

द्वितीयः– श्रुति शुक्ला

तृतीयः– सिद्धांत मोदनवाल

सांत्वनाः– आयुषी केसरवानी, सक्षम , पूजा तोमर

भोपाल इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

भोपाल । शहर समता विचार मंच भोपाल इकाई की महिला काव्यगोष्ठी

सुनीता शर्मा सिद्धि की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि

सरोज लता सोनी

विशिष्टअतिथि

सुषमा पटेल

सारस्वत अतिथि

डा .सीमा अग्रवाल

स्वागत उद्बोधन

आशा सक्सैना

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण अतिथि द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सरोज दवे द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन साधना शुक्ला ने किया। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें ।आशा श्रीवास्तव,सुधा दुबे , साधना श्रीवास्तव, सुषमा पटेल , सुषमा श्रीवास्तव सरोज लता सोनी, अनुराधा यादव,चित्रा घोटे,वंदना पाठक सीमा तिवारी, बालारानी वर्मा ,अर्चना शर्मा मंजू गुप्ता,विमला विश्वकर्मा, रानी सिंगोरिया, अंतमें धन्यवाद ज्ञापन. सुरभि पाठक द्वारा किया गया ।

उत्तर प्रदेश राइटर अवॉर्ड फेस्टिवल 2024 डॉ0 पूर्णिमा पांडेय पूर्णा सम्मानित हुई

प्रयागराज ससविश्व हिंदी रचनाकार मंच द्वारा 24 नवंबर 2024 को लखनऊ के आर्यावर्त ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के सभागार में ष्उत्तर प्रदेश रॉयटर्स अवॉर्ड फेस्टिवल का भव्य आयोजन किया गया वरिष्ठ कवियत्री एवं साहित्यकारा डॉ पूर्णिमा पांडेय पूर्णा को उनकी अनवरत साहित्य सेवा हेतु आर्यावर्त ग्रुप ऑफ लखनऊ के सभागार में विशिष्ट अतिथि आमंत्रित किया गया और उन्हें ष्उत्तर प्रदेश आइडियल वूमेन अवार्डष से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व भी बहुमुखी प्रतिभा की धनी डॉ पूर्णिमा पाण्डेय ष्पूर्णाष्जी को विभिन्न साहित्य सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उक्त सम्मान मिलते ही साहित्यप्रेमियों और उनके परिवार जनों ने डॉ पूर्णा को बधाइयां एवम शुभकामनाये देते हुए खुशी व्यक्त की है।

महाकुम्भ के श्रद्धालुओं का निजी अस्पतालों में मुफ्त होगा इलाज

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 में श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सेवाओं में राहत देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। महाकुम्भ प्रशासन को इलाहाबाद नर्सिंग होम एसोसिएशन और इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत, प्रयागराज के दो दर्जन से अधिक निजी अस्पताल कुम्भ मेला अवधि (13 जनवरी से 26 फरवरी) के दौरान श्रद्धालुओं को मुफ्त इलाज और रियायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के मंच पर दोनों एसोसिएशन के अध्यक्ष के साथ समझौता हुआ। इससे मेला अवधि के दौरान श्रद्धालुओं को निजी अस्पतालों में निःशुल्क बाह्य चिकित्सा और प्राथमिक उपचार मिलेगा। लैब जांच और प्राथमिक चिकित्सा के अतिरिक्त अन्य उपचार श्रद्धालुओं के लिए रियायती दरों पर उपलब्ध होंगे। इसके अलावा प्रत्येक निजी अस्पताल अपने कुल बेड का 20 प्रतिशत हिस्सा कुम्भ मेला में आने वाले मरीजों के लिए आरक्षित रखेगा। गंभीर मरीजों को आईसीयू से लेकर ऑपरेशन तक की सेवाएं मुफ्त में उपलब्ध होंगी। प्रयागराज जिला प्रशासन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर आपदा या आकस्मिक स्थिति में निजी अस्पताल पूरी सहायता प्रदान करेंगे। इलाहाबाद नर्सिंग होम एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आरके अग्रवाल ने बताया कि मेला क्षेत्र में मरीजों की सुविधा के लिए अस्पताल पूरी तरह तैयार हैं।

सम्पादकीय.......

जलवायु संकट की अनदेखी

आज ग्लोबल वार्मिंग संकट दुनिया के तमाम देशों के दरवाजे पर दस्तक देकर रौद्र रूप दिखा रहा है। ऐसे में बाकू में संपन्न कॉप–29 सम्मेलन में दुनिया की आबोहवा बचाने की दिशा में ठोस निर्णय न हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। दरअसल, विकसित देश विगत में की गई अपनी घोषणाओं से पीछे हट रहे हैं। वे गरीब मुल्कों को ग्लोबल वार्मिंग संकट से निपटने के लिये आर्थिक मदद देने को तैयार नहीं हैं। ऐसा भी नहीं है कि दुनिया पर जलवायु संकट के गंभीर परिणामों से विकसित देश वाकिफ नहीं हैं। अमेरिका से लेकर स्पेन तक मौसम के चरम का त्रास झेल रहे हैं। लेकिन इसके घातक प्रभावों को देखते हुए भी सभी देश समाधान निकालने को लेकर सहमति क्यों नहीं बना पा रहे हैं। कहना गलत न होगा कि विकसित देशों द्वारा अक्सर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन हाथी के दिखाने के दांत साबित हो रहे हैं। दशकों से चले आ रहे सम्मेलनों के बावजूद जलवायु संकट दूर करने के लिये सभी देशों की हिस्सेदारी व जिम्मेदारी तय नहीं हो पा रही है। यही वजह है कि कॉप–29 में विकासशील देशों की चिंता व नाराजगी को भारत ने आवाज दी है। भारत ने सम्मेलन में ग्लोबल साउथ देशों का नेतृत्व करके धनी देशों को आईना दिखाया। यह हकीकत है कि धनी देशों के रवैये के चलते विकासशील देश खुद को छला महसूस कर रहे हैं। अपने विकास की कीमत पर ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने पर सहमत हुए गरीब मुल्क इसके मुकाबले के लिये धनी देशों की मदद की तरफ देख रहे हैं। यह विडंबना है कि अजरबैजान में कॉप–29 सम्मेलन का समापन तल्ख बयानों व असहमति के बीच हुआ। आखिर धनी व गरीब मुल्कों के बीच सम्मेलन के बाद भी अविश्वास का वातावरण क्यों बना हुआ है। निश्चित रूप से यह स्थिति भविष्य में ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिये साझा प्रयासों की संभावना को ही खत्म करेगी।विगत में विकसित देशों ने वायदा किया था कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने के प्रयास में होने वाले खर्च की पूर्ति के लिये 1.3 ट्रिलियन डॉलर सालाना मदद दी जाएगी। लेकिन अब ये देश मामूली रकम देने को ही तैयार हैं। इससे पर्यावरणीय क्षति को रोकने के प्रयासों हेतु आर्थिक संसाधन जुटा पाना संभव न होगा। वहीं दूसरी ओर इस दिशा में निधारित लक्ष्य अपर्याप्त ही हैं। इस गंभीर मुद्दे पर व्यापक विचार–विमर्श की जरूरत है। दूसरी विकसित देश सीमित मदद को सीधे देने के बजाय ऋण के रूप में देने की बात कर रहे हैं। जाहिर है कर्ज के साथ शर्तें भी कठोर हो सकती हैं। दरअसल, अपनी पिछली पारी में पर्यावरण संकट पर बेरुखी दिखाने वाले नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर भी दुनिया के मुल्क असमंजस में हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि दुनिया की महाशक्ति अमेरिका क्लाइमेट चेंज प्रभाव को रोकने के लिये धन उपलब्ध कराने में ना–नुकर कर सकता है। भले ही संकट से निपटने के लिये पर्याप्त धन न जुटाया जा सके,लेकिन यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि इस मुद्दे में दुनिया के देशों में सहमति बन सके। निस्संदेह, मतभेद मनभेद में न बदलें और दुनिया के तमाम देश जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से मुकाबले के लिये एकजुट होने का संकल्प लें। यही वजह है कि भारत ने टूक शब्दों में कहा कि जलवायु संकट से निपटने की जिम्मेदारी सिर्फ विकासशील देशों की ही नहीं है। निस्संदेह, धनी मुल्कों को जवाबदेही से भागने से बचना चाहिए। हालांकि, बाकू में जलवायु संकट पर गंभीर मंथन तो हुआ पर समस्या की गहराई को समझने की ईमानदार कोशिश नहीं की गई। यदि जलवायु वित्त पैकेज पर सहमति बनती तो इससे जुड़े मुख्य मुद्दों के समाधान की राह खुलती। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो पाया। यह निर्विवाद सत्य है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिये विकासशील देशों को अपने विकास को धीमा करना पड़ेगा। लेकिन औद्योगिक क्रांति के जरिये प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन करने वाले विकसित देश अपने आर्थिक लक्ष्य हासिल करने के बाद विकासशील देशों को ऐसा करने से रोक रहे हैं।

ईवीएम पर फिर उठे सवाल

डॉ. दीपक पाचपोर

हरियाणा चुनावों में भी कांग्रेस ने इसी तरह ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे कि जिन सीटों पर गणना के वक्त ईवीएम की बैटरी 90 प्रतिशत तक चार्ज थी, वहां भाजपा को जीत मिल गई।

महाराष्ट्र और झारखंड दोनों ही राज्यों में चुनावी नतीजे शनिवार को सामने आ गए और अब नयी सरकारों के गठन की तैयारी प्रारंभ हो चुकी है। झारखंड में हेमंत सोरेन फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं, जबकि महाराष्ट्र में इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह तय नहीं हो पाया है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर एकनाथ शिंदे ही फिर से बैठेंगे या भाजपा इस बार देवेन्द्र फड़नवीस को प्रतीक्षा करने का इनाम देगी। महाराष्ट्र में महायुति के आपसी समीकरण किस तरह तय होंगे, यह देखना भाजपा, शिवसेना शिंदे गुट और एनसीपी अजित पवार गुट का काम है। यह तय है कि महाविकास अगाड़ी को एक बार फिर विपक्ष में ही बैठना पड़ेगा, क्योंकि नतीजे उसकी उम्मीदों के अनुरूप नहीं आए। महायुति को इतनी बड़ी जीत मिलेगी, इस बात पर लगातार हैरानी जताई जा रही है क्योंकि जमीन पर माहौल एमवीए के लिए बना हुआ दिखाई दे रहा था। अब इस पर ईवीएम और चुनाव आयोग द्वारा पेश किए गए मतदान प्रतिशत और गिने गए वोटों में दिख रहे अंतर को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शिवसेना सांसद संजय राउत के हिसाब से यह जनता का सुनाया फैसला नहीं है, वे मांग कर रहे हैं कि एक बार चुनाव मतपत्रों यानी बैलेट पेपर से करवाएं जाएं, तो हकीकत सामने आ जाएगी। कुछ ऐसे ही आरोप कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी और सपा आदि दलों के नेताओं ने भी लगाए हैं। हरियाणा चुनावों में भी कांग्रेस ने इसी तरह ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे कि जिन सीटों पर गणना के वक्त ईवीएम की बैटरी 90 प्रतिशत तक चार्ज थी, वहां भाजपा को जीत मिल गई। तब सवाल उठे थे कि किसी भी मशीन की बैटरी प्रयोग में होने के इतनी देर बाद भी 90 प्रतिशत तक चार्ज कैसे रह सकती है। कांग्रेस ने तब कम से कम 20 सीटों में गड़बड़ी के खिलाफ तथ्यों के साथ एक शिकायत चुनाव आयोग में दायर की थी, जिसे फौरन खारिज कर दिया गया। बल्कि इसका जवाब देने में आयोग की तरफ से जो भाषा इस्तेमाल की गई, वह भी उचित नहीं थी। हालांकि अब फिर से हरियाणा कांग्रेस ने 27 सीटों में ईवीएम और आचार संहिता के उल्लंघन जैसी शिकायतों पर आधारित एक याचिका पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय में दाखिल की है। जिस पर सुनवाई होनी है। इधर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका फिर से खारिज की गई, जिसमें मांग की गई थी कि चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए। साथ ही इसमें यह सुझाव भी दिया गया था कि मतदाताओं को खरीदने की कोशिश करता हुआ अगर कोई उम्मीदवार दोषी पाया जाता है तो उसे पांच साल तक चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करार करना चाहिए। के एल पॉल की इस याचिका को जस्टिस पी बी वराले और जस्टिस विक्रमनाथ की बेंच ने खारिज तो कर ही दिया, साथ ही कहा कि जब आप चुनाव जीतते हैं तो ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं होती और जब हारते हैं तो ईवीएम से छेड़छाड़ होती है। शीर्ष अदालत की तरफ से जो तर्क अपने फैसले में सुनाया गया, वह नया नहीं है। इन चुनावों में भाजपा भी इसी तरह की बात कह रही है। महाराष्ट्र में विपक्ष ईवीएम या अन्य गड़बड़ियों का मुद्दा उठा रहा है तो उसे झारखंड की जीत याद दिलाई जा रही है। हालांकि असल सवाल इसमें गुम हो रहा है कि क्या झारखंड में भाजपा ने हाथ पीछे खींच लिए ताकि महाराष्ट की सत्ता बरकरार रखी जाए। झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत से ईवीएम पर सवाल उठने बंद हो जाएंगे, शायद यह सोच भाजपा की थी। लेकिन अब कुछ और उलझे हुए तार सामने आए हैं, जिनसे निष्पक्ष चुनाव के ऊपर लग गए सवालिया निशान बड़े होते जा रहे हैं। महाराष्ट्र में चुनाव आयोग ने मतदान प्रतिशत का अंतिम आंकड़ा 66.05 फीसदी बताया, जो कुल 64,088,195 वोट होते हैं, लेकिन मतगणना में गिने गए कुल वोटों का जोड़ 64,592,508 आया, जो कुल पड़े वोटों से 504,313 अधिक है। पांच लाख वोटों का यह अंतर क्यों और कैसे आया, इसका संतोषजनक दवाब निर्वाचन आयोग को देना चाहिए। कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में बड़े दिलचस्प आंकड़े सामने आए हैं, अष्टी निर्वाचन क्षेत्र में मतदान से 4,538 अधिक वोट गिने गए। यानी जितने वोट पड़े नहीं, उससे ज्यादा गिने गए। वहीं उस्मानाबाद निर्वाचन क्षेत्र में जितने वोट डाले गए और जितने गिने गए, उनमें 4,155 वोटों का अंतर रहा। नवापुर विधानसभा क्षेत्र अजा आरक्षित है, यहां निर्वाचन आयोग के मुताबिक मतदाताओं की कुल संख्या 2,95,786 है और मतदान 81.15 फीसदी हुआ। इसका मतलब 2,40,022 वोट पड़े। लेकिन कुल 2,41,193 वोटों की गिनती हुई। यानी 1,171 वोट अधिक गिने गए और हैरानी की बात ये है कि यहां जीत का अंतर 1,122 वोटों का था। इसी तरह मावल विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 3,86,172 है और मतदान 72.59 फीसदी हुआ। इसका मतलब 2,80,319 वोट पड़े। हालांकि, आयोग द्वारा प्रकाशित नतीजों के अनुसार, कुल वोटों की गिनती 2,79,081 थी, जो डाले गए वोटों से 1,238 वोट कम है।कहीं मतदाताओं से ज्यादा वोटों की संख्या रही, कहीं कुल मतदान से कम या ज्यादा वोटों की गिनती हुई। भले ही 288 सीटों में से कुछ ही सीटों पर ऐसी गड़बड़ी सामने आई है, लेकिन इसकी क्या गारंटी है कि बाकी जगह पर इसी तरह की कोई और गड़बड़ी नहीं हुई होगी। महाराष्ट्र में कई विधानसभा सीटों पर जीत–हार का अंतर भी बेहद मामूली रहा। कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले तक अपनी सीट बमुश्किल 208 वोटों से जीत पाए, मालेगांव सीट पर एआईएमआईएम प्रत्याशी ने महज 162 वोटों से अपनी सीट बचाई। ऐसे में अगर हजार–दो हजार का अंतर मतदान के वास्तविक आंकड़े और गिने गए वोटों में दिख रहा है, तो फिर नतीजों में उलटफेर होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट या निर्वाचन आयोग बैलेट पेपर यानी मतपत्रों से चुनाव की बात मौजूदा वक्त में स्वीकार नहीं करेगा, यह जाहिर है। हालांकि दुनिया के कई देशों ने ईवीएम से किनारा कर लिया है।

धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद से आखिर किसे है दिक्कत?

डॉ. दीपक पाचपोर

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सोमवार को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया गया जिनमें मांग की गयी थी कि संविधान की प्रस्तावना से श्धर्मनिरपेक्षताश और समाजवाद शब्दों को हटा दिया जाये। 22 नवम्बर को इस सन्दर्भ में दाखिल कई याचिकाओं पर दिये गये निर्णय को सुरक्षित रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना एवं जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ये दोनों शब्द संविधान की बुनियाद हैं। उल्लेखनीय है कि 1949 में जब यह संविधान स्वीकृत किया गया था, तब ये शब्द उसकी प्रस्तावना में नहीं थे। उन्हें इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते 1976 में 42वें संशोधन के जरिये जोड़ा गया था। हालांकि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के तत्व हमारे संविधान की आत्मा में किसी न किसी प्रकार से निहीत थे ही। जस्टिस खन्ना का यह अवलोकन बहुत प्रासंगिक व सटीक है कि भारतीय सन्दर्भों में कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के रूप में समाजवाद को देखा जाना चाहिये। संविधान लागू होकर 7 दशक से ज्यादा का वक्त निकल गया है, फिर भी धर्मनिरपेक्षता व समाजवाद के गुणों को संविधान के विभिन्न प्रावधानों एवं व्यवस्थाओं के माध्यम से देश की प्रशासकीय प्रणाली और सार्वजनिक जीवन में समाहित किया गया है। इतने सालों के बाद अगर कोई तत्व इसमें फेरबदल करना चाहते हैं तो उनकी शिनाख्त जरूरी है, तथा यह भी समझ लेना आवश्यक है कि आखिर उनका मकसद क्या हो सकता है। अगर पहले धर्मनिरपेक्षता की बात करें तो ऐसा कहना कतई गलत नहीं होगा कि संविधान निर्माताओं को यह बात बहुत अच्छे से पता था कि विविध धर्मों और मान्यताओं वाले इस देश को अगर एक सूत्र में पिरोकर रखना है और सभी नागरिकों के बुनियादी अधिकारों को बरकरार रखना है तो राज्य को चाहिये कि वह सभी धर्मों से एक सी दूरी बनाकर रखे। राज्य का खुद का कोई धर्म नहीं होगा लेकिन वह सभी लोगों की धार्मिक आजादी को सुनिश्चित करेगा। यही एक व्यवस्था है जो इन दोनों जरूरतों को एक साथ पूरा कर सकती है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से होकर गुजरने वाले राष्ट्र निर्माताओं ने देखा भी था कि धार्मिकता ने देश का कितना नुकसान किया था। इसलिये महात्मा गांधी समेत तमाम वे बड़े नेता, जिन्होंने आजादी के बाद देश की कमान सम्हाली थी, संविधान का चरित्र धर्मनिरपेक्ष ही रखना चाहते थे। ये शब्द चाहे संविधान लागू होने के तकरीबन 25 वर्ष बाद जुड़े हों लेकिन उसमें प्रदत्त मूलभूत अधिकारों और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों से साफ है कि वे उसका स्वरूप प्रारम्भ से ऐसा ही चाहते थे। 42वें संशोधन को तो स्पष्टोक्ति मात्र ही कहा जाना चाहिये। जब संविधान का धर्मनिरपेक्षता का स्वरूप ही एक वर्ग और विचारधारा को पसंद नहीं आया था, तो प्रस्तावना में उसे जोड़ा जाना तो उन्हें नागवार गुजरना ही था। कौन सा है वह वर्ग और कौन हैं ये लोग? निश्चित ही वे लोग जो देश पर बहुसंख्यकवाद को थोपने में यकीन रखते हैं। उनके अनुसार भारत में बहुसंख्यक सम्प्रदाय ही श्रेष्ठ है और दूसरे दोयम दर्जे के हैं। उनके अनुसार नैसर्गिक रूप से बहुसंख्यकों को सारे संसाधनों और अवसरों का लाभ मिलना चाहिये जबकि अन्य का इन पर कोई हक नहीं हो सकता। स्वतंत्र भारत की पिछली सारी सरकारों ने इस सिद्धांत को ही स्वीकार किया कि देश सभी का है और सभी को यहां के संसाधनों–अवसरों का लाभ उठाने का एक जैसा अधिकार है। ये नामंजूर हुई याचिकाएं हों या इस सम्बन्ध में दिये जाने वाले चुनावी नारे एक बड़ी खाई बना चुके हैं। धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बोलना दोहरे उद्देश्यों को पूरा करता है। एक ओर तो ध्रुवीकरण होता है तो वहीं वह समाजवाद की धारणा को भी चुनौती देता है क्योंकि समाजवाद का आधार समानता का सिद्धांत है। हालांकि उसके बहुत से और भी आयाम हैं जो समाज के साथ–साथ देश के राजनीतिक एवं आर्थिक क्षितिजों का भी स्पर्श करते हैं। ऐसे ही, समाजवाद को लेकर बड़ी भ्रांतियां है। भ्रांति से भी ज्यादा नासमझी है। भारतीय प्रणाली में समाजवादी सिद्धांत का समावेश मूलतरू प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की देन कही जा सकती है। यूरोप में उच्च शिक्षा ग्रहण करने तथा उसके बाद सार्वजनिक जीवन में काम करने के दौरान उन्हें यूरोपीय समाजवाद के अध्ययन का मौका मिला था। गांधी के असर और आजादी के संघर्ष के दौरान देश को करीब से उन्हें जानने का जो मौका मिला, सम्प्रभु भारत में उन्होंने मध्यम मार्ग अपनाते हुए मिश्रित अर्थव्यवस्था को लागू किया। वरना उन्हें साम्यवाद अधिक आकृष्ट करता था लेकिन उन्हें कालांतर में समाजवाद की यह खूबी नजर आई होगी कि समानता में राज्य की भूमिका अहम है। इसलिये उन्होंने शासकीय व्यवस्था को उसी के अनुरूप ढाला था। लम्बी गुलामी से विपन्न हो चुके भारत के कायाकल्प में समाजवाद ने बड़ी भूमिका निभाई– चाहे वह आधी–अधूरी ही अपनाई गयी हो। देश में पूंजीवाद के खिलाफ तनकर जो विचारधाराएं खड़ी रही उनमें साम्यवाद के अलावा समाजवाद ही था। भारतीयों को कम्युनिस्ट विचारधारा कुछ ज्यादा ही लाल लगती रही है। इसलिये समाजवाद उन लोगों की पहली पसंद थी जो कांग्रेस और नेहरूवियन दर्शन को नापसंद करते थे। हालांकि संसद के शुरुआती दौर में साम्यवादी सांसद ही उनके प्रमुख विरोधी हुआ करते थे। जो लोग धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ होते हैं, वे अपने आप समाजवाद के भी विरोध में दिखाई देंगे क्योंकि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के साफ अंतर्संबंध हैं। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट में जो याचिकाएं लगाई गई थीं (जिन्हें न्यायालय ने अस्वीकृत किया है) उनमें इन्ही दो शब्दों (धर्मनिरपेक्षता व समाजवाद) का विरोध है। धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद दोनों ही समानता में विश्वास करते हैं जिससे एक वर्ग का दोनों से एक साथ विरोध हो जाता है। 2014 में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई और उसने दो और चुनाव जीतकर सरकारें बनाई हैं, तो ऐसे तत्वों के हौसले बुलन्द हैं। हालांकि इन याचिकाकर्ताओं में सुब्रमण्यम जैसे लोग भी हैं जो कहने को तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरोधी हैं लेकिन कट्टरता में उनके एकदम समांतर हैं। ऐसे लोगों का भरोसा भारत को एक मजहब विशेष की पहचान वाला देश बनाने में है। उसकी शुरुआत धर्मनिरपेक्षता का विरोध करने से होती है। बताया यह जाता है कि अब तक, खासकर कांग्रेस के राज में मुस्लिम तुष्टीकरण होता रहा है। सभी धर्मों के साथ एक जैसा व्यवहार और सबसे एक जैसी दूरी के सिद्धांत को गलत ढंग से पेश किया जाता है। दरअसल यह एक धर्म विशेष तथा उनके अनुयायियों के प्रति घृणा फैलाने का उपकरण बन गया है। इसकी पराकाष्ठा एक ओर नेहरू के पुरखों को मुस्लिम बताया जाना है, तो दूसरी ओर 11 वर्षों तक शासन करने के बाद मोदी लोगों को यह कहकर डराते हैं कि कांग्रेस की सरकार आई तो महिलाओं के मंगलसूत्र और मवेशी मुसलिमों को दे दिये जायेंगे। वैसे शीर्ष न्यायालय के इस फैसले के बाद यह बहस बन्द हो जानी चाहिये और सरकार को भी आश्वस्त करना चाहिये कि ये शब्द नहीं हटेंगे, लेकिन सम्भवतरू ऐसा नहीं होगा क्योंकि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद दोनों ही नये निजाम की आँखों में न केवल चुभते हैं बल्कि अब ये दोनों शब्द ध्रुवीकरण करने, पूर्ववर्ती शासकों को बदनाम करने और चुनाव जीतने के उपकरण बनकर रह गये हैं। इसलिये इन शब्दों के खिलाफ याचिकाएं दायर कराई जाती हैं अथवा लोगों को भड़काया जाता है– जिस प्रकार आरक्षण खत्म करने या संविधान बदलने की बातें होती हैं।

दिल्लीवासी चुनाव से पहले स्वच्छ हवा के लिए सख्त कदम उठाने की मांग करें

कल्याणी शंकर

दिल्ली के निवासियों को हर साल प्रदूषण का सामना क्यों करना पड़ता है, जबकि शासक वर्ग इसके लिए पड़ोसी राज्यों हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में पराली जलाने को दोषी ठहराता है? क्या वे इस बात पर बहस करने के बजाय कि पराली जलाने वाली मशीनों और अन्य संबंधित खर्चों का भुगतान कौन करेगा, इसका स्थायी समाधान नहीं खोज सकते? दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से आठ गुना अधिक है। यह उस स्तर पर पहुंच गया है जहां न्यायपालिका, कार्यपालिका और संसद एक–दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं और प्रदूषण का गंभीर स्तर जारी है। अमेरिका में एक महीने की छुट्टी से लौटते हुए, मैं इस सप्ताह आधी रात के बाद दिल्ली पहुंचते ही प्रदूषण संकट की गंभीरता से तुरंत प्रभावित हो गयी। अंधेरे आसमान, धूल की चादर, गर्मी और सांस लेने में कठिनाई ने एक कठोर चेतावनी और कार्रवाई के लिए एक जरूरी आह्वान के रूप में मेरा स्वागत किया। इस सप्ताह दिल्ली में प्रदूषण का स्तर अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इस खतरनाक स्तर के कारण राज्य के अधिकारियों ने आवाजाही सीमित कर दी है और विषाक्त पदार्थों को साफ करने के लिए कृत्रिम बारिश को प्रोत्साहित करने की योजना पर चर्चा को फिर से शुरू कर दिया है। इसने शहर को घने भूरे रंग के धुएं में ढकने के कारण स्कूलों और दफ्तरों को बंद करने के लिए मजबूर किया और तत्काल कार्रवाई की मांग की। बच्चों और वृद्धों में श्वसन संबंधी बीमारियों की संख्या बढ़ रही है, साथ ही अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी। उत्तर में ठंडी सर्दियों में, हर साल धुआं पूरे क्षेत्र को ढक लेता है और आग, निर्माण और कारखानों से निकलने वाले हानिकारक प्रदूषकों को फंसा लेता है। यह समस्या तब और भी बदतर हो जाती है जब किसान नयी फसल की तैयारी के लिए चावल की कटाई के बाद अपने खेतों में पुआलको जला देते हैं।हर साल यही या इससे भी बदतर स्थिति सामने आती है, जो समय के साथ खतरनाक स्तर तक पहुंच जाती है। नागरिक असहाय महसूस करते हैं जबकि राजनेता दोषारोपण के खेल में लगे रहते हैं। नतीजतन, जनता खराब वायु गुणवत्ता को झेलती है, जो उनके स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से खतरा है। अमीर लोग अक्सर सर्दियों के दौरान गर्म जगहों पर चले जाते हैं, लेकिन बच्चों और वृद्धों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। कई स्कूल बंद हो गये हैं और निवासियों को घर के अंदर रहने की सलाह दी गयी है। निर्माण कार्य रोक दिया गया है और सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ऑड–ईवन वाहन उपयोग नीति लागू करने पर विचार कर रही है। हालांकि यह सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन संकट की गंभीरता को देखते हुए बिना किसी देरी के प्रभावी समाधान की आवश्यकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य निगरानी एजंसियों के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 1,200 से 1,500 के बीच है। भारत का एक्यूआई 200 से अधिक होने पर खराब, 300 से अधिक होने पर बहुत खराब और 400 से अधिक होने पर गंभीर या खतरनाक श्रेणी में आता है। अनुशंसित एक्यूआईसीमा 0 से 100 के बीच है। यह भयावह स्थिति अंतरराष्ट्रीय यात्रियों और प्रवासी भारतीयों को अपनी वार्षिक यात्राओं की योजना बनाने से हतोत्साहित करती है। सरकारें और राजनेता समस्या के मूल कारण से अच्छी तरह वाकिफ हैं, लेकिन दोषारोपण का खेल खेलते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को प्रदूषण से निपटने का आदेश दिया है। अतीत में, इसने दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार के प्रयासों का नेतृत्व भी किया है। इसने शहर में कौन से वाहन चल सकते हैं, इस बारे में नियम तय किये हैं, हवा को प्रदूषित करने वाली कई फैक्ट्रियों को दूसरी जगह ले जाने का आदेश दिया है और उत्सर्जन को कम करने के लिए व्यवसायों को बंद करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने सरकार पर कार्रवाई करने का दबाव भी बनाया। गलती क्रियान्वयन में है। पिछले महीने, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि स्वच्छ हवा एक मौलिक मानव अधिकार है। इसने केंद्र सरकार और राज्य अधिकारियों दोनों को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया। हालांकि, वाहनों पर प्रतिबंध, औद्योगिक नियमन और जन जागरूकता अभियान जैसे अधिकांश उपाय, खराब होती वायु गुणवत्ता को रोकने में अधिक प्रभावी होने चाहिए। आलोचक सवाल उठाते हैं कि न्यायालय के फैसले कितने प्रभावी हैं और न्यायपालिका पर कार्यकारी मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को अपने 2024 के घोषणापत्र में पिछले वादों के विपरीत, प्रदूषण को कम करने के वादे शामिल करने चाहिए थे। इसके बजाय, घोषणापत्र में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) और प्रदूषण को कम करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। आप ने नागरिकों की भागीदारी की आवश्यकता और प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इलेक्ट्रिक बसों का उपयोग करने की योजना पर प्रकाश डाला। अब जबकि यह खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, केंद्र और राज्य सरकारों को पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के संबंध में संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जो वास्तविक दोषी हैं। हर सर्दियों में खेतों में लगी आग से निकलने वाला धुआं दिल्ली को अपनी चपेट में ले लेता है और दिल्ली के आसमान को ढक लेता है। किसान आग जलाना पसंद करते हैं क्योंकि यह उनके खेतों को साफ करने का सबसे सस्ता तरीका है। राज्य सरकारें मांग करती हैं कि केंद्र किसानों को धुआं उत्सर्जन कम करने में सहायता के लिए धन मुहैया कराये, लेकिन यह समस्या हर साल बनी रहती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अब समय आ गया है कि आधे–अधूरे उपायों को छोड़ दिया जाये और व्यापक समाधान लागू किये जाएं। उदाहरण के लिए, ग्रेप–3 को ग्रेप–4 में अपग्रेड किया जाना चाहिए, जिससे ऑड–ईवन नियम को लागू करना आसान हो सके। दिल्ली विधानसभा का चुनाव नजदीक है। लोगों को इसे चुनावी मुद्दा बनाना चाहिए। इस बीच, दिल्ली के निवासियों को इस मुद्दे पर विचार करना चाहिए। प्रदूषण से निपटने के लिए त्वरित समाधान पर विचार करें, जैसे मास्क पहनना, घर के अंदर हवा को शुद्ध करने वाले पौधे लगाना, तथा अमीर लोगों द्वारा एयरप्यूरीफायर का उपयोग करना, भाप स्नान करना, स्वस्थ भोजन खाना, तथा अपने घरों में उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करना। नागरिकों को प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए अधिकारियों की सहायता भी करनी चाहिए।

अजय देवगन-तब्बू की दमदार जोड़ी के साथ देखिए फिल्म औरों में कहां दम था का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर!

> "यह फिल्म प्यार, तड़प और बलिदान की भावना को खूबसूरती से दर्शाती है। फिल्म में अजय देवगन और तब्बू ने अपने किरदारों को बेमिसाल इमोशंस और गहराई के साथ जिया है। इनके साथ शांतनु माहेश्वरी, सई मांजरेकर और जिमी शेरगिल जैसे सितारों ने भी अपने दमदार अभिनय से कहानी को और मजबूती दी है।

जी सिनेमा इस शनिवार यानी 30 नवंबर को रात 8 बजे लेकर आ रहा है एक ऐसी फिल्म जो जेल की सख्त जिंदगी और एक दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी को एक साथ पेश करती है। औरों में कहां दम था रोमांटिक थ्रिलर का एक नया अंदाज है, जो एक कैदी की उलझन भरी जिंदगी और उसके संघर्ष को दिलचस्प तरीके से दिखाती है। फिल्म का निर्देशन किया है मशहूर नीरज पांडे ने, जिनकी बेबी, एम. एस. धोनी और स्पेशल 26 जैसी फिल्मों ने दर्शकों का दिल जीता है। उनके गहराई से कहानी कहने के अंदाज ने इस फिल्म को खास बना दिया है। यह फिल्म प्यार, तड़प और बलिदान की भावना को खूबसूरती से दर्शाती है। फिल्म में अजय देवगन और तब्बू ने अपने किरदारों को बेमिसाल इमोशंस और गहराई के साथ जिया है। इनके साथ शांतनु माहेश्वरी, सई मांजरेकर और जिमी शेरगिल जैसे सितारों ने भी अपने दमदार अभिनय से कहानी को और मजबूती दी है। अजय देवगन ने कहा, यह फिल्म उन चीजों को साथ लाती है, जिन्हें पर्दे पर निभाने का मुझे हमेशा मजा आता है गहराई, एक्शन और ढेर सारे इमोशंस। कृष्णा ऐसा किरदार है, जिसे हालात, प्यार और खोने के दर्द ने गढ़ा है। मैं हमेशा मानता हूं दृ सबसे मुश्किल लड़ाइयां ही हमें हमारी असली ताकत दिखाती हैं। यह कहानी हर उस इंसान से जुड़ती है, जिसने कभी अपनी जिंदगी में किसी जरूरी चीज के लिए लड़ाई लड़ी हो। 'औरों में कहां दम था' में नीरज और तब्बू के साथ काम करना मेरे लिए बेहद शानदार अनुभव था। अब मैं बस इंतजार कर रहा हूं कि इसे दर्शक अपने घरों में आराम से देखें और महसूस करें। तब्बू ने भी फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कहा, अजय और मैंने साथ में कई यादगार फिल्मों में काम किया है। यह फिल्म उन दर्शकों के लिए खास होगी, जिन्होंने हमेशा हमारी जोड़ी को पसंद किया है। नीरज का डायरेक्शन कमाल का है। उन्होंने हम सब से हमारा बेस्ट निकलवाया। वसुंधरा ऐसा किरदार है, जो मेरे दिल के बहुत करीब है। वो मजबूत है, लेकिन उसके जज्बात ही उसकी जिंदगी के फैसलों को तय करते हैं। मुझे यकीन है कि दर्शक इस किरदार और हमारी मेहनत को जरूर महसूस करेंगे। मुझे उम्मीद है दर्शक इस शनिवार जी सिनेमा पर उन जज्बातों को महसूस करेंगे जो हमने इस फिल्म के जरिए सामने लाने की कोशिश की है। यह एक डबल मर्डर के दोषी की कहानी है, जो 20 साल जेल में बिताने के बाद अपनी खोई हुई मोहब्बत से मिलता है। जैसे–जैसे वे करीब आते हैं, उसके अपराध और उसके पीछे की सच्चाई सामने आने लगती है। तो तैयार हो जाइए, इस अनोखी कहानी को देखने के लिए! श्औरों में कहां दम थाश, इस शनिवार, 30 नवंबर, रात 8 बजे, सिर्फ जी सिनेमा पर!

ब्रेकअप के बाद उठा शादी से भरोसा, जिंदगी भर कुंवारी रहेगी हिमांशी खुराना! कभी आसिम के प्यार के खातिर तोड़ी थी सगाई

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट रह चुकीं हिमांशी खुराना इस समय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। बीते दिनों जहां हिमांशी के ऊपर मुसीबतों का पहाड़ टूटा। एक्ट्रेस के पिता को पुलिस ने सरकारी अधिकारी से बतमीजी करने के चलते गिरफ्तार किया। इन सब खबरों के बीच हिमांशी खुराना ने अब खुलासा किया है की वह कभी जिंदगी में शादी नहीं करेंगी लेकिन क्यूं जानिए इस रिपोर्ट में।एक इंटरव्यू के दौरान हिमांशी खुराना से पूछा गया कि उनका शादी को लेकर क्या प्लान है? जवाब में हिमांशी ने जिंदगी भर शादी ना करने का खुलासा किया। एक्ट्रेस ने बताया कि शादीवाला चौप्टर क्लोज है मेरा अब। हिमांशी के माता–पिता ने ही शादी न करने की सलाह दी थी क्योंकि उनके शादी से जुड़े अपने बुरे अनुभव थे। माता–पिता की शादी और चिंता की वजह से उन्होंने यह फैसला लिया। हिमांशी के इस फैसले को सुन लोगों का मानना है की आसिम रियाज संग ब्रेकअप और दिल टूटने के बाद शायद एक्ट्रेस ने यह निर्णय लिया। बता दें हिमांशी खुराना ने आसि रियाज के लिए अपनी मंगनी तोड़ी और नेशन टेलीविजन पर दोनों एक दूजे को प्रपोज भी किया था। धर्म अलग होने के चलते हिमांशी और आसिम पिछले साल 2023 में अलग हो गए थे।

इटली में छुट्टियां मना रहे सोनाक्षी-जहीर, रोमांटिक अंदाज में नजर आया जोड़ा

स्टार जोड़ी सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल इटली के मिलान में वेकेशन एंजॉय कर रहे हैं। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं, इसमें वह हबी के साथ छुट्टियों का आनंद उठाती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट तस्वीरों की सीरीज शेयर कर 'तेवर' अभिनेत्री ने खूबसूरत झलक दिखाई है। तस्वीरों में अभिनेत्री मिलान कैथेड्रल के सामने कबूतरों के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। वहीं, शेयर किए एक क्लिप में अभिनेत्री खिलखिलाकर हंसती नजर आ रही हैं, जबकि एक पक्षी उनके हाथ से कुछ खाता नजर आ रहा है। एक अन्य वीडियो में दोनों कैथेड्रल के अंदर प्रार्थना करते दिख रहे हैं। एक तस्वीर में सोनाक्षी अपने पति के गाल पर किस करती, जबकि जहीर आंखें बंद किए हैं। एक अन्य तस्वीर में दोनों गले मिलते नजर आ रहे हैं। जहीर–सोनाक्षी ने लग्जरी होटल की एक झलक भी दिखाई, जिसमें वे ठहरे हुए हैं। एक क्लिप में जोड़ा मिलान की सड़कों पर टहलता दिख रहा है। दूसरी में अपने कुछ दोस्तों के साथ है। तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मिलान नवंबर, 2024। वेकेशन पर निकला जोड़ा मिलान से पहले टस्कनी में था और सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर वहां की झलक दिखाई थी। सोनाक्षी और जहीर 7 साल की डेटिंग के बाद इसी साल 23 जून को मुंबई में शादी के बंधन में बंधे थे। इस बीच सोनाक्षी सिन्हा के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री पति जहीर के साथ 'तू है मेरी किरण' में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। जहीर और सोनाक्षी इससे पहले भी साथ में काम कर चुके हैं। दोनों 'डबल एक्सएल' में साथ नजर आए थे। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के साथ फिल्म में हुमा कुरैशी भी अहम भूमिका में थीं।

कार्तिक आर्यन ने नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि! 'सिंघम अगेन' से टक्कर के बाद भी भूल भुलैया 3 ने कमाई में झंड़े गाड़े

कार्तिक आर्यन, त्रिपती डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित नेने अभिनीत भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों में रिलीज होने के चार सप्ताह बाद भी फिल्म देखने वालों की पहली पसंद बनी हुई है। बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों के मामले में भी यह फिल्म कार्तिक की सबसे बड़ी फिल्म है। इसने अब अपनी प्रतिद्वंद्वी फिल्म सिंघम अगेन के कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है और 400 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो गई है। अपनी झोली में एक और पंख जोड़ते हुए, भूल भुलैया 3 अब एक बड़ी फिल्म के साथ रिलीज होने के बावजूद बॉलीवुड की सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। एक बड़ी टक्कर के दौरान सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म का यह अब तक का रिकॉर्ड बॉक्स ऑफिस पर श्रूह बाबाश के जादू को साफ तौर पर दर्शाता है। सूची में शामिल अन्य बॉलीवुड फ़िल्मों पर नज़र डालेंरू

भूल भुलैया 3 – 264 करोड़ रुपये
डुनकी – 232 करोड़ रुपये
सिंघम अगेन – 220 करोड़ रुपये
बाजीराव मस्तानी – 184 करोड़ रुपये
दिलवाले – 149 करोड़ रुपये
रईस – 138 करोड़ रुपये
रुस्तम – 127 करोड़ रुपये
जब तक है जान – 121 करोड़ रुपये
गोलमाल 3 – 106 करोड़ रुपये

भूल भुलैया 3 के बारे में

अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में राजेश शर्मा, विजय राज, राजपाल यादव और संजय मिश्रा जैसे समीक्षकों द्वारा प्रशंसित अभिनेता भी हैं, जो हॉरर कॉमेडी में महत्वपूर्ण सहायक भूमिकाएँ निभाते हैं। यह देखना दिलचस्प है कि दिवाली के अवसर पर 1 नवंबर को रिलीज़ होने के बाद से भूल भुलैया 3 सिंघम अगेन से पीछे चल रही थी। हालांकि, फिल्म समीक्षकों और दर्शकों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और अच्छी समीक्षा के साथ, फिल्म दूसरे और तीसरे सप्ताह में रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रही।

मेरे को जितनी टेंशन बता भी नहीं सकता..रोज कई तकलीफें झेल रहे हैं दिलजीत दोसांझ, बीच कॉन्सर्ट शेयर किया दर्द

देश में एक के बाद एक कॉन्सर्ट कर रहे दिलजीत दोसांझ की पॉपुलैरिटी दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही हैं। हालांकि, अक्सर ये देखा जाता है कि उंचाइयां छुने वालों के आगे मुसीबतें आड़े आती हैं। यही दिलजीत के साथ भी हो रहा है। हाल ही में एक वीडियो शेयर कर सिंगर ने रोजाना झेली जाने वाली परेशानियों को लेकर खुलासा किया। दरअसल, हाल ही में दिलजीत दोसांझ पुणे में अपनी दिल–इलुमिनाती कॉन्सर्ट किया, जिसका वीडियो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। वीडियो में सिंगर कहते हैं–मुसीबतें तो आएंगी, टेंशन तो आएगी जिंदगी में। मेरे को जितनी टेंशन रोज आती है, मैं बता भी नहीं सकता आपको क्या–क्या टेंशन आती है रोज। तो जितना बड़ा काम उतनी बड़ी टेंशन। दिलजीत के इस वीडियो पर फैंस के काफी कमेंट आ रहे हैं। इसी वीडियो में दिलजीत ने योग के बारे में भी बात की और कहा कि अगर कोई व्यक्ति रोजाना योग करता है, तो वो जो काम कर रहा है, उसकी स्पीड दोगुनी हो जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि तब चीजें उसी के हिसाब से होने लगती हैं। सिंगर ने यह भी कहा कि वह कोई साधु–संत नहीं हैं, पर इतना जानते हैं कि जो व्यक्ति जीवन में रोजाना योग करता है, वह कुछ भी पा सकता है। बता दें, दिलजीत दोसांझ को लेकर ताजा विवाद तब हुआ, जब हैदराबाद में कॉन्सर्ट से पहले तेलंगाना सरकार ने उनके शराब वाले गानों पर बैन लगा दिया और उन्हें कानूनी नोटिस भी भेजा गया। वहीं, दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट की बात करें, तो वह दिल्ली, हैदराबाद, लखनऊ, अहमदाबाद और पुणे के बाद कोलकाता, बेंगलुरु, चंडीगढ़, इंदौर और गुवाहाटी में परफॉर्म करेंगे।

ब्रेकफास्ट में बनाएं न्यूट्रिशन से भरपूर ओट्स उपमा, झटपट बनकर हो जाएगा तैयार

अक्सर सुबह के समय लोगों के पास कम समय होता है। लेकिन इस भागदौड़ के बीच कुछ ऐसा खाना बेहद जरूरी होता है, जो स्वादिष्ट होने के साथ न्यूट्रिशन्स से भरपूर हो और हमें पूरा दिन एनर्जी दे सके। सुबह के समय अक्सर हम जल्दबाजी में ब्रेकफास्ट स्किप कर देते हैं या फिर कुछ रेडीमेड खा लेते हैं। भले ही इससे आपका पेट भर जाता है, लेकिन इससे शरीर को न तो ताकत मिलती है और न ही पोषण मिलता है। ऐसे में यदि रोजाना एक जैसा नाश्ता बनाया जाए, तो भी इससे बोर हो जाते हैं। इसलिए लगभग हर किसी के साथ यह दुविधा होती है कि सुबह के नाश्ते में ऐसा क्या बनाया जाए, जो स्वादिष्ट होने के साथ टेस्टी भी हो। अगर आप भी सुबह के ब्रेकफास्ट को लेकर कंफ्यूज रहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसी रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे परिवार के सभी सदस्यों का पेट भी भर जाएगा और आपके शरीर को भरपूर न्यूट्रिशन भी मिलेंगे। बता दें कि आप घर पर आसानी से ओट्स और सब्जियों से बनने वाले उपमा को बना सकती हैं।

ओट्स सामग्री

ओट्स– 1 कप

सरसों– 1 टीस्पून

तेल– 2 चम्मच

जीरा– आधा टीस्पून

उड़द की दाल– आधा टीस्पून

काजू– 8–10

अदरक– आधा इंच

करी पत्ते– 5–7

हरी मिर्च– 1

प्याज– 1 छोटा

पानी– 1 कप

मिर्च– स्वादानुसार

नमक–स्वादानुसार

हल्दी– चौथाई टीस्पून

मूंगफली– मुट्ठी भर (भुनी हुई)

गाजर– आधी

शिमला मिर्च– आधी

बीन्स– चौथाई कटोरी

मटर– चौथाई कटोरी

ऐसे बनाएं ओट्स उपमा

ओट्स उपमा बनाने के लिए सबसे पहले एक कप ओट्स लें। इसको 3–4 मिनट तक पैन में भूनें।

अगर आप इंस्टेंट ओट्स ले रही है, तो इनको भूनने की जरूरत नहीं है, बल्कि आप सीधे तौर पर इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

एक पैन में 2 चम्मच तेल डालकर इसमें उड़द की दाल, सरसों, करी पत्ता, जीरा और काजू डालकर हल्के ब्राउन होने तक भूनें।

फिर इसमें हरी मिर्च, प्याज और अदरक डालें। प्याज को हल्का नरम हो जाने तक पकाना है।

अब इसमें सारी सब्जियां डाल दें और गाजर, मटर, शिमला मिर्च और बीन्स डालें।

इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च और नमक डालकर अच्छे से चलाएं और फिर पानी डालकर पकने दें।

इसमें धनिया और नींबू का रस मिलाएं।

फिर ऊपर से भुनी हुई मूंगफली डाल दें।

इस तरह से ओट्स उपमा बनकर तैयार हो जाएगा।

सर्दियों में ड्राई स्किन ? अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, पाएं हेल्दी और मॉइश्चराइज्ड त्वचा

सर्दी के मौसम में ठंडी हवा के कारण अक्सर हमारी त्वचा सूखी और रूखी हो जाती है। इस समय स्किन को सही देखभाल की जरूरत होती है, और अगर आप अपने चेहरे की नमी को लंबे समय तक बनाए रखना चाहते हैं, तो घरेलू नुस्खे बेहद फायदेमंद हो सकते हैं। बाजार में मिलने वाले लोशन और क्रीम कुछ समय के लिए मदद करते हैं, लेकिन उनकी नमी जल्दी खत्म हो जाती है। इसलिए घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करें जो आपकी त्वचा को प्राकृतिक तरीके से हाइड्रेट रखें।

केला और वैसलीन का उपयोग

सर्दी के मौसम में ड्राई स्किन की समस्या आम है, लेकिन इसे हल करने के लिए केला और वैसलीन का उपयोग एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। केला पोषक तत्वों से भरपूर होता है और त्वचा को गहराई तक मॉइश्चराइज करने में मदद करता है, जबकि वैसलीन त्वचा पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाकर नमी को लॉक करता है। इस उपाय को अपनाने के लिए आधे पके केले को छीलकर एक कटोरी में मैश करें। इसमें 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ग्लिसरीन मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छे से मिक्स करें और चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। यह नुस्खा त्वचा को गहरी नमी देता है, जिससे त्वचा न केवल हेल्दी रहती है, बल्कि अधिक मुलायम और चमकदार भी बनती है। इसे हफ्ते में दो बार इस्तेमाल करें, ताकि ड्राई स्किन से हमेशा के लिए छुटकारा मिल सके।

ग्लिसरीन और गुलाब जल का इस्तेमाल

ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने के लिए ग्लिसरीन और गुलाब जल का संयोजन बेहद असरदार साबित होता है। गुलाब जल त्वचा को ताजगी प्रदान करता है, जबकि ग्लिसरीन त्वचा में नमी को बनाए रखने में मदद करता है। इस नुस्खे को तैयार करने के लिए एक स्प्रे बोतल लें और उसमें 2 चम्मच ग्लिसरीन और 2 चम्मच गुलाब जल डालें। इसे अच्छे से मिक्स करें ताकि यह एक टोनर की तरह काम करे। इस टोनर को दिन में 2 बार अपने चेहरे पर स्प्रे करें। यह न केवल त्वचा को हाइड्रेट रखेगा, बल्कि त्वचा के पोर्स को भी लॉक करेगा, जिससे ठंडी हवा का असर आपकी त्वचा पर नहीं पड़ेगा। नियमित उपयोग से आपकी स्किन नर्म, मुलायम और शाइनी बनी रहेगी। इसे खासतौर पर सोने से पहले इस्तेमाल करना अधिक लाभकारी होता है।

मुल्तानी मिट्टी और घरेलू मिश्रण

मुल्तानी मिट्टी का नाम सुनते ही अक्सर ऑयली स्किन की देखभाल का ख्याल आता है, लेकिन यह ड्राई स्किन के लिए भी एक शानदार उपाय है। मुल्तानी मिट्टी त्वचा से अशुद्धियों को साफ करने के साथ–साथ उसे फ्रेश और नरम बनाती है। इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आप इसमें नींबू, शहद या दही जैसी प्राकृतिक चीजें मिला सकते हैं। इस पैक को तैयार करने के लिए 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और उसमें 1 चम्मच शहद और 2 चम्मच दही मिलाएं। इसे एक गाढ़ा पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरे को साफ करें। यह मिश्रण त्वचा को गहराई तक मॉइश्चराइज करता है और ड्राईनेस को दूर करता है। हफ्ते में एक बार इसका इस्तेमाल आपकी स्किन को सर्दियों में हेल्दी बनाए रखेगा।

कुछ जरूरी बातें

एक्सपर्ट से सलाह लें

घरेलू नुस्खे जितने प्रभावी होते हैं, उतना ही जरूरी है कि इन्हें अपने स्किन टाइप के अनुसार इस्तेमाल करें। सेंसिटिव स्किन वाले लोग किसी भी नुस्खे को अपनाने से पहले एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें। सही सलाह से आप बेहतर नतीजे पा सकते हैं और त्वचा को होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

ग्लिसरीन का सावधानी से इस्तेमाल करें

ग्लिसरीन स्किन को गहराई तक नमी देने में मदद करता है, लेकिन इसे डायरेक्ट त्वचा पर लगाने से जलन या चिपचिपापन हो सकता है। इसलिए इसे हमेशा गुलाब जल या अन्य सामग्रियों के साथ मिक्स करके ही इस्तेमाल करें। यह नुस्खा अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनता है।

सर्दी में पैच टेस्ट जरूरी है

सर्दियों में त्वचा संवेदनशील हो जाती है, जिससे किसी भी नई सामग्री का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी हो जाता है। पैच टेस्ट से आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपकी त्वचा उस सामग्री को सहन कर पाएगी या नहीं। यह त्वचा पर रैशेज या जलन जैसी समस्याओं को रोकने में मदद करता है। सर्दी में स्किन की देखभाल करना मुश्किल नहीं है। बस थोड़ी सी सावधानी और घरेलू नुस्खों का सही इस्तेमाल आपकी त्वचा को खूबसूरत और मुलायम बनाए रखेगा।

नोटः चेहरे पर कोई भी चीज लगाने से पहले पैच टेस्ट करें और एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें। इस तरह आप अपनी त्वचा को सर्दी के मौसम में सुरक्षित और हेल्दी रख सकते हैं। इस आर्टिकल के बारे में अपनी राय हमें कमेंट बॉक्स में जरूर बताएं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो, तो इसे शेयर जरूर करें।

बच्चे की है पहली सर्दी तो जान लें उसे नहलाने से लेकर खिलाने तक का सही तरीका

सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, इसके साथ ही न्यू पेरेंट्स की चिंताएं भी बढ़ जाती है। इस मौसम में छोटे बच्चों को सर्दी–जुकाम, खांसी जैसी समस्याएं आम हो जाती है, क्योंकि इस समय उनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है और वे ठंड से प्रभावित हो सकते हैं। अगर बच्चे की पहली सर्दी है तो उसका खास ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है, चलिए जानते हैं शिशु की देखभाल करने के कुछ टिप्स।

गर्म कपड़े

बच्चे को लेयरिंग करके कपड़े पहनाएं ताकि शरीर की गर्मी बनी रहे। कॉटन इनरवियर, ऊनी स्वेटर और गर्म मोजे उपयोगी हैं। सिर, कान, और पैरों को ढककर रखें क्योंकि ये हिस्से जल्दी ठंडे हो सकते हैं।

त्वचा की देखभाल

सर्दियों में शिशु की त्वचा शुष्क हो सकती है। उनके शरीर पर मॉइस्चराइजर और नारियल तेल लगाएं। गुनगुने पानी से नहलाने के बाद मॉइस्चराइजिंग क्रीम लगाना चाहिए। बच्चे की त्वचा और कपड़ों को साफ और सूखा रखें। कमरे में ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें ताकि हवा में नमी बनी रहे।

पोषण

अगर बच्चा ठोस आहार लेने लगा है, तो उसके भोजन में गुनगुने सूप, दलिया और पौष्टिक चीजें शामिल करें। शिशु को ब्रेस्टफीडिंग या फार्मूला फीडिंग से आवश्यक पोषण मिलता है।

क्या सर्दियों में शिशु को रोज नहलाना चाहिए?

शिशु को रोज नहलाना जरूरी नहीं है, खासकर जब मौसम बहुत ठंडा हो। उन्हें तीन दिन में एक बार गुनगुने पानी से नहलाना पर्याप्त है। नहाने के बजाय एक साफ तौलिए से बच्चे को साफ कर सकते हैं और मॉइस्चराइजर लगाएं। नहलाने के बाद तुरंत कपड़े पहनाएं ताकि ठंड से बचाव हो सके।

अतिरिक्त टिप्स

– अगर शिशु को सर्दी या खांसी हो, तो डॉक्टर से परामर्श करें।

– नियमित मालिश से उनके शरीर में गर्माहट बनी रहती है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

– सर्दियों में शिशु की देखभाल के लिए सावधानी बरतना बेहद महत्वपूर्ण है।

– इस मौसम में अतिरिक्त देखभाल से उनके स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सकता है।

सर्दियों में बार–बार एक्ने–पिंपल कर रहे हैं परेशान तो ऐसे पाएं छुटकारा

सर्दी के मौसम में सबसे ज्यादा पिंपल्स की समस्या बढ़ने लगती है। ऑयली स्किन और ड्राई स्किन वालों को एक्ने की समस्या झेलने पड़ती है। जिस कारण से सीबम का प्रोडक्शन हो सकता है। विंटर में बाहरी हवा की वजह से स्किन ड्राई होने लगती है। जिससे ऑयली स्किन और ड्राई स्किन वालों की भी एक्ने की समस्या बढ जाती है।

जानें एक्ने–पिंपल्स कैसे पाएं छुटकारा

चेहरे को बार–बार न छुएं

स्किन की ड्राईनेस दूर करने के लिए मॉइश्चराइज करना जरुरी होता है। सर्दियों में हीटर, ब्लोअर में रहने, गर्म पानी से मुंह धोने की वजह से स्किन का हाइड्रेशन खत्म होने लगता है। स्किन को ड्राईनेस से जरुर बचाएं।

एलोवेरा जेल लगाएं

अगर आप भी सर्दियों में बार–बार एक्ने निकल रहे हैं, तो आप रात को एलोवेरा जेल लगाकर सो सकते है। यह ऑयल को कंट्रोल करता है और एक्ने से राहत देता है बल्कि स्किन की जलन को भी दूर करता है साथ ही हाइड्रेशन भी देता है।

पिंपल पर लगाएं ये फेस पैक

जिन लोगों को पिंपल और एक्ने की समस्या रहती है वो लोग इस पैक को जरुर लगाएं। इसे बनाने के लिए दालचीनी पाउडर एक चम्मच लेकर उसमें मेथी का पाउडर मिला लीजिए। इसके साथ ही नींबू के रस की कुछ बूंद मिलाकर गाढ़ा चिपचिपा सा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सिर्फ पिंपल पर लगाएं और इसे लगे रहने दें। इसे आप 2–3 घंटे तक लगे रहने दे या फिर रातभर छोड़ दीजिए, अगले सुबह चेहरे को धो ले। पिंपल खत्म करने में ये फेस पैके मदद करेगा।

ओट्स का फेस पैक

इस पैक को बनाने के लिए ओट्स का पाउडर, शहद और दही को बराबर हिस्सों लेकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। इसे पिंपल की समस्या दूर होती है और जलन में राहत होती है।

संक्षिप्त

जीवाश्म ईंधन का आयात घटाए बिना प्रदूषण की समस्या को हल नहीं किया जा सकता : गडकरी

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जीवाश्म ईंधन के आयात में कटौती किए बिना भारत प्रदूषण की समस्या का समाधान नहीं कर सकता। टाइम्स ड्राइव ग्रीन कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स 2024 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि आज जैव ईंधन अर्थव्यवस्था बहुत महत्वपूर्ण है और भारत में यह अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा कि देश में 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण परिवहन क्षेत्र के कारण होता है। गडकरी ने कहा, ''भारत में प्रदूषण एक बड़ी चिंता का विषय है.. जीवाश्म ईंधन के आयात में कमी किए बिना हम देश में प्रदूषण को कम नहीं कर सकते। परिवहन क्षेत्र में हमें जीवाश्म ईंधन का विकल्प तलाशने की जरूरत है... हमें सतत विकास मॉडल विकसित करने की जरूरत है।'' सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने यह भी कहा कि भारत गेहूं, चावल और चीनी के अधिशेष उत्पादन के कारण कृषि क्षेत्र में समस्याओं का सामना कर रहा है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि सरकार ने कृषि के ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण लाने का निर्णय लिया है। आज पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र में 400 परियोजनाएं हैं, जहां वे चावल के भूसे से बायो–सीएनजी बना रहे हैं। मंत्री ने कहा कि ज्यादातर मामलों में पंजाब और हरियाणा में चावल भूसी को जलाने की वजह से दिल्ली को प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। गडकरी ने बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मिशन भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। गडकरी ने कहा कि उनका सपना भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में नंबर एक बनाना है।

भारत पारस्परिक मान्यता समझौतों के लिए 30 देशों के साथ बातचीत कर रहा : सीबीआईसी चेयरमैन

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि भारत करीब 30 देशों के सीमा शुल्क अधिकारियों के साथ पारस्परिक मान्यता समझौते (एमआरए) पर हस्ताक्षर करने के लिए बातचीत कर रहा है। पारस्परिक मान्यता समझौते दोहरे प्रमाणन से बचकर विदेशी व्यापार को आसान बनाने में मदद करते हैं। इस प्रकार यह अनुपालन लागत को कम करता है,

केवल एक विनियमन का पालन कर अनुपालन आवश्यकताओं को सरल बनाता है और व्यापार के अवसरों को बढ़ाता है। भारत, अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर (एईओ) कार्यक्रम को व्यापक तथा गहन बनाने के लिए अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। अग्रवाल ने कहा कि भारत ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, ताइवान, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया सहित कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ एमआरए पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने यहां वैश्विक अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर (एईओ) सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, '' 30 से अधिक देशों के साथ वार्ता जारी है। इसमें आशाजनक प्रगति हो रही है। जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ भी चर्चा जारी है।'' एईओ कार्यक्रम सीमा शुल्क प्रशासन को सुरक्षित बनाने वाले तथा इसका अनुपालन करने वाले निर्यातकों और आयातकों की पहचान करने तथा उन्हें बेहतर सुविधा प्रदान करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने साथ ही कहा कि भारत डिजिटल तथा टिकाऊ व्यापार सुविधा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना जारी रखे है। यह डिजिटल तथा टिकाऊ व्यापार सुविधा पर संयुक्त राष्ट्र आर्थिक व सामाजिक आयोग एशिया प्रशांत के वैश्विक सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन से स्पष्ट है। अग्रवाल ने कहा कि भारत ने विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में भी सुधार किया है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज क्यूआईपी के जरिये 6,000 करोड़ रुपये की संपूर्ण राशि जुटा लेगी

नयी दिल्ली,एजेंसी। गोदरेज प्रॉपर्टीज क्यूआईपी के जरिये संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 6,000 करोड़ रुपये की संपूर्ण राशि जुटा लेगी। कंपनी का इरादा आवासीय भूखंडों तथा अपार्टमेंट की मजबूत मांग के बीच कारोबार का विस्तार करना है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 6,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बुधवार को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) पेश किया। यह बृहस्पतिवार को बंद होगा। बाजार सूत्रों ने बताया कि गोदरेज प्रॉपर्टीज को घरेलू तथा वैश्विक निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली है और कंपनी 6,000 करोड़ रुपये की संपूर्ण राशि जुटा लेगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि क्यूआईपी आवंटन समिति ने 27 नवंबर 2024 को इसके लिए मंजूरी दी। इसके लिए 2,727.44 रुपये प्रति शेयर की आधार कीमत तय की गई है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में शामिल है। इसकी दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे और बेंगलुरु में मजबूत उपस्थिति है और इसने हाल ही में हैदराबाद बाजार में प्रवेश किया है।

विराट की फॉर्म में वापसी भुलाएगी एडिलेड 2020 की कड़वी यादें, चार डे-नाइट टेस्ट में एक शतक उनके नाम

एडिलेड, एजेंसी। पर्थ में ऑस्ट्रेलियाई गुरूर तोड़ने के बाद भारतीय टीम एडिलेड की कड़वी यादों का बदला लेने के लिए तैयार है। करीब चार साल पहले एडिलेड में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को उसके सबसे निम्नतम स्कोर 36 रन पर समेटकर अपमान का कड़वा घूंट पिलाया था। गुलाबी गेंद से दिन–रात्रि के इस टेस्ट में भारत को हार मिली थी। भारतीय टीम छह दिसंबर से इसी मैदान पर गुलाबी गेंद के टेस्ट में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया के सामने होगी तो पर्थ टेस्ट में शतक जड़कर फॉर्म में वापसी कर चुके विराट कोहली के पास चार साल पुराने जख्मों को भरने का मौका होगा। एडिलेड ओवल विराट के लिए सबसे सफल मैदानों में से एक है। विराट के पास गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने का पर्याप्त अनुभव है। उन्होंने अब तक गुलाबी गेंद से चार टेस्ट खेले हैं और एक शतक भी जड़ा है। वह भारत की ओर से दिन–रात्रि के टेस्ट में शतक लगाने वाले इकलौते भारतीय हैं। एडिलेड मैदान पर भी 36 रन पर सिमटने से पहले उन्होंने पहली पारी में 74 रन की यादगार पारी खेली थी। इस बार एडिलेड में उनका अनुभव और फॉर्म में लौटना भारतीय टीम के काम आएगा। चार वर्ष पूर्व (2020) ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में खेलने वाली भारतीय टीम में तीन खिलाड़ी ही ऐसे हैं, जो इस बार टीम में हैं। ये विराट, जसप्रीत बुमराह और अश्विन हैं। विराट और बुमराह इस बार भी एडिलेड में टीम की मुख्य धुरी होंगे। विराट ने पिछली बार इस मैदान पर 244 मिनट तक टिककर बल्लेबाजी की थी और 180 गेंदें खेली थीं। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को सफलता के लिए काफी हद तक विराट के अनुभव और उनकी बल्लेबाजी पर निर्भर रहना होगा। गुलाबी गेंद के खिलाफ रन बनाना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन विराट ने इस गेंद के खिलाफ भी रन बनाए हैं। एडिलेड में उनका अनुभव टीम के अन्य खिलाड़ियों के भी

काम आएगा। दिग्गज सुनील गावस्कर और मैथ्यू हेडन विराट की फॉर्म में वापसी को भारत के लिए शुभ संकेत मानते हैं। गावस्कर कहते हैं कि विराट ने अपने बल्लेबाजी स्टांस में हल्का सुधार किया है, जिसके चलते उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का दूसरी पारी में सामना बेहतर तरीके से किया और पर्थ में शतक लगाया। जुलाई, 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन के बाद यह विराट का पहला शतक रहा। गावस्कर कहते हैं कि जब विराट दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए आए तो उन पर किसी तरह का दबाव नहीं था। पहली पारी में दो विकेट जल्दी गिरने के बाद वह दबाव में थे। दूसरी पारी में उन्होंने बल्लेबाजी स्टांस में हल्का सा बदलाव किया और पैरों को हल्का चौड़ा किया, जिससे उन्हें ऊंची आ रही गेंदों का सामना करने में आसानी हुई। उन्होंने हेजलवुड पर जिस तरह मिडविकेट पर चौका लगाया वह दर्शनीय था। हेडन ने भी माना कि स्टांस में सुधार के चलते विराट ने पिच पर मौजूद असमतल उछाल का अच्छी तरह सामना किया।

टेस्ट टीम के बल्लेबाजों को अभ्यास मैच में नहीं उतारेगा ऑस्ट्रेलिया

पर्थ टेस्ट में हार के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने रन नहीं बना रहे अपने बल्लेबाजों को भारत के खिलाफ दो दिवसीय अभ्यास मैच में नहीं उतारने का फैसला लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन अपने बल्लेबाजों का एडिलेड टेस्ट पहले से भारतीय गेंदबाजों का सामना करा कर उनके खिलाफ रणनीति बनाने का मौका नहीं देना चाहता है। गुलाबी गेंद से होने वाले अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री एकादश में सैम कोंस्टास, मैट रेनशा और स्कॉट बोलैंड जैसे क्रिकेटर खेलेंगे। टीम का नेतृत्व जैक एडवर्ड्स करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशाने लंबे समय से फॉर्म में नहीं हैं।

वेबस्टर टीम में हो सकते हैं शामिल

ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को चोटिल मिचेल मार्श की जगह पर दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया जा सकता है। हालांकि कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने स्पष्ट किया था कि एडिलेड टेस्ट में वही टीम खेलेगी जो पर्थ में खेली थी। उन्होंने यह भी कहा था कि मिचेल मार्श की चोट पर निगरानी रखी जा रही है। अगर मार्श समय पर ठीक हो जाते हैं तो वह एडिलेड में खेलेंगे। अगर वह ठीक नहीं होते हैं तो वेबस्टर को उनके विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया जा सकता है। वेबस्टर ऑस्ट्रेलिया ए के लिए भारत ए के खिलाफ खेले थे।

पंत और हमारी विचारधारा में अंतर था, पैसे से इसका कोई लेना देना नहीं : पार्थ जिंदल

पार्थ जिंदल ने खुलासा किया कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी से पहले ऋषभ पंत को बनाए रखने के लिए फ्रेंचाइजी ने हर संभव कोशिश की लेकिन इस दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ टीम संचालन को लेकर प्रबंधन के विचार एक जैसे नहीं थे। कैपिटल्स ने पंत को टीम में बरकरार नहीं रखा।

नयी दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सह–मालिक पार्थ जिंदल ने खुलासा किया कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी से पहले ऋषभ पंत को बनाए रखने के लिए फ्रेंचाइजी ने हर संभव कोशिश की लेकिन इस दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ टीम संचालन को लेकर प्रबंधन के विचार एक जैसे नहीं थे। कैपिटल्स ने पंत को टीम में बरकरार नहीं रखा और बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को हाल ही में मेगा नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा। वह आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। जिंदल ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' से कहा, '' फ्रेंचाइजी के संचालन पर हमारी सोच अलग–अलग थी। यही कारण है कि यह (पंत का टीम से अलग होना) हुआ। इसका पैसे से इसका कोई लेना–देना नहीं है।'' उन्होंने कहा, '' ऋषभ के लिए पैसा कभी कोई मुद्दा नहीं रहा। हमारे लिए भी पैसा कभी कोई मुद्दा नहीं था। मुझे लगता है कि हम तीनों (किरण ग्रांधी, जिंदल और पंत) की सोच एक जैसी नहीं थी।'' जिंदल ने कहा, ''उन्होंने (पंत) अंत में एक फैसला किया। हमने सब कुछ करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने आगे बढ़ने का मन बना लिया था।'' उन्होंने मतभेद के मुद्दों पर पूछे जाने पर कहा, '' यह फ्रेंचाइजी के संचालन से जुड़ा हुआ है। हमें उनसे कुछ उम्मीदें थी और उन्हें हम से कुछ उम्मीदें थी। मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम कुछ चीजों पर एकमत नहीं हो पाए।'' जिंदल ने कहा कि टीम प्रबंधन को एहसास हो गया था कि नीलामी से पंत को वापस खरीदना असंभव जैसा काम था। उन्होंने कहा, ''जिस क्षण हमने उसे रिटेन नहीं किया, मुझे पता था कि अब उसे वापस लाना मुश्किल भरा फैसला होगा। हमने उसके लिए 20.25 (करोड़) रुपये में 'राइट–टू–मैच' का इस्तेमाल किया, लेकिन फिर बजट बहुत अधिक हो गया। हम 22–23 (करोड़) रुपये तक बढ़ाने के लिए तैयार थे।

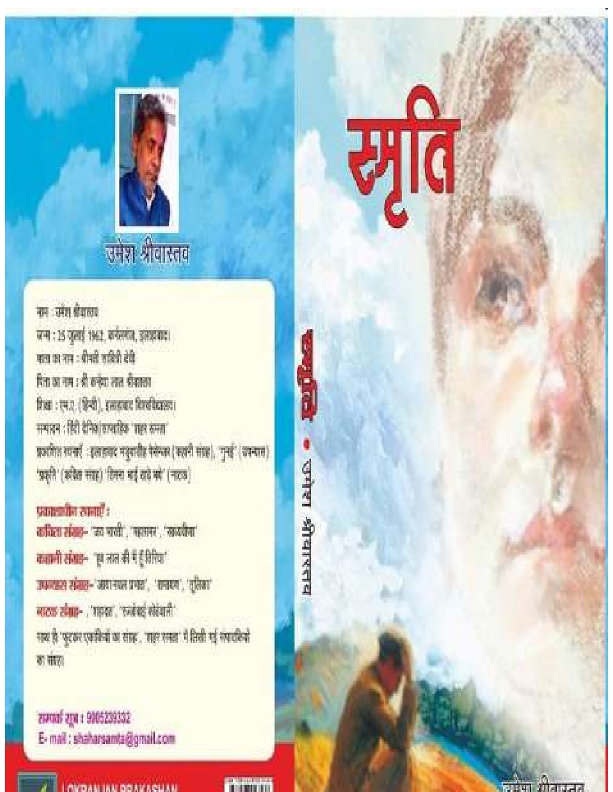

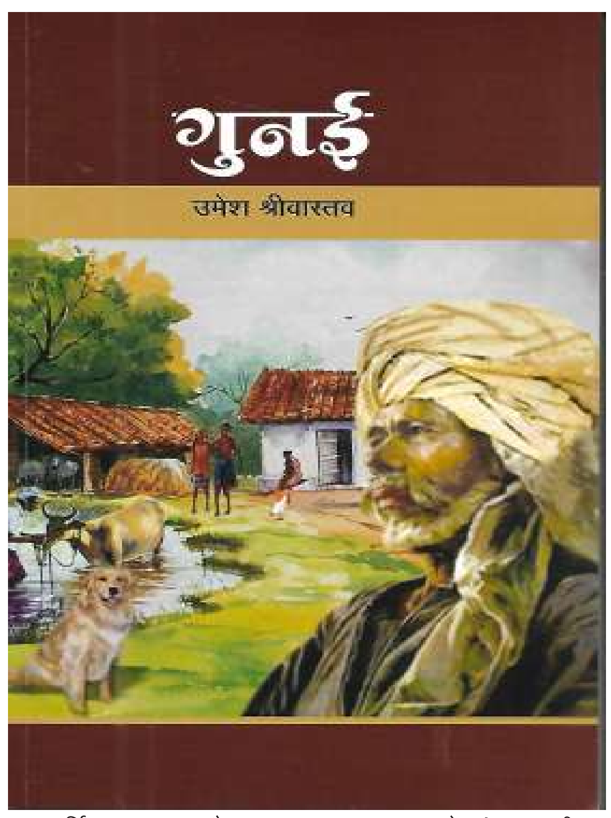

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

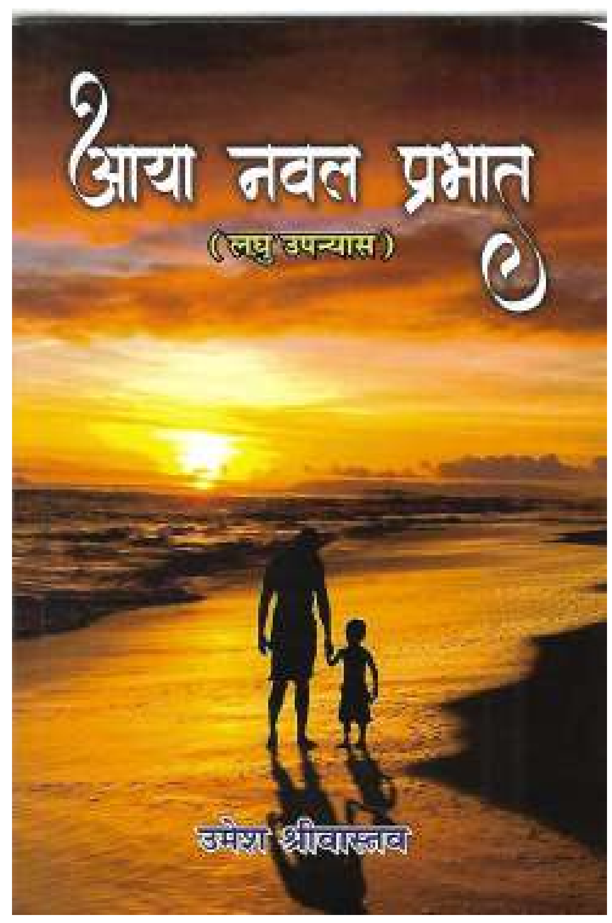

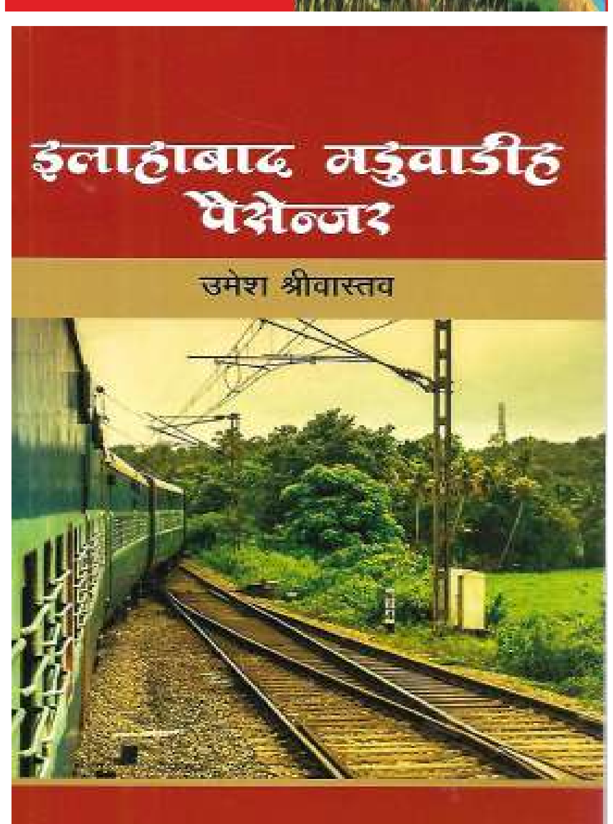

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

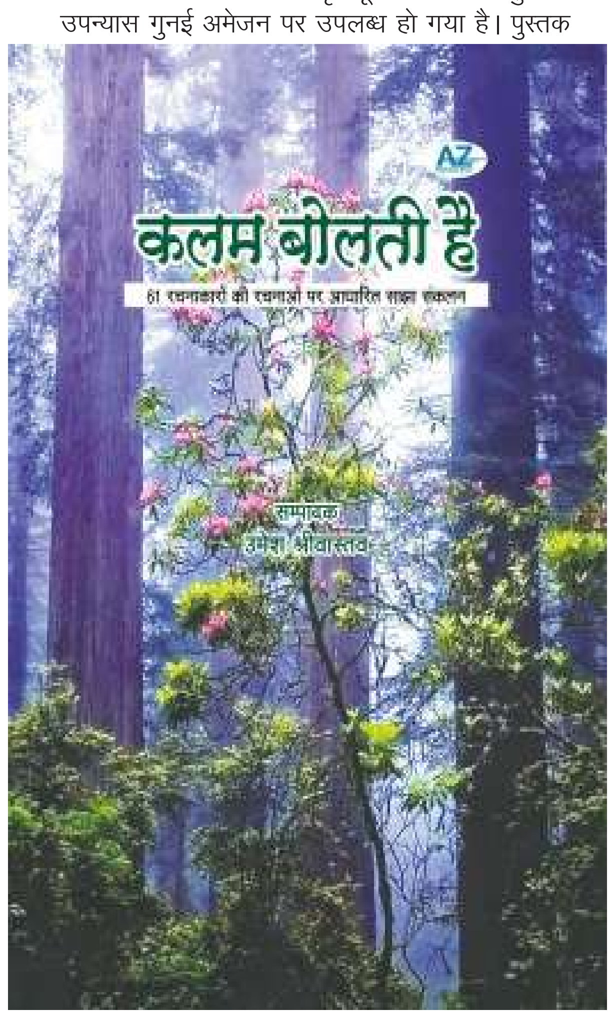

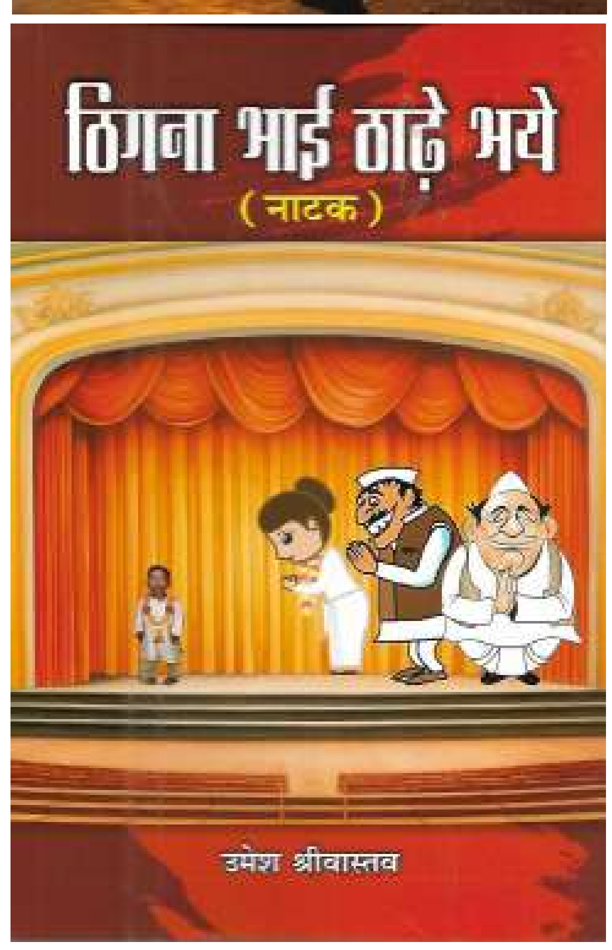

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की 'लिमोजिन' से पुलिस की कार टकराई, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और वित्त मंत्री निकोला विलिस को ले जा रही एक सरकारी 'लिमोजिन' कार के पिछले हिस्से से पुलिस की एक कार टकरा गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना बुधवार दोपहर को न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन

में हवाई अड्डे की मुख्य सड़क पर हुई, जहां संसद स्थित है। हालांकि दुर्घटना मामूली थी और इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने टक्कर की जांच शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड का गृह मंत्रालय आधिकारिक वाहनों का प्रबंधन करता है। गृह मंत्रालय ने कहा कि इस दुर्घटना में 'लिमोजिन' कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। लक्सन ने बृहस्पतिवार को ऑकलैंड में संवाददाताओं से कहा कि दुर्घटना ''थोड़ा चौंकाने वाली'' थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ''ठीक'' हैं और उन्हें नहीं पता कि कार को सेवा से हटा लिया जाएगा या नहीं।

ट्रंप कैबिनेट के मनोनीत सदस्यों और नियुक्त लोगों को धमकियां: अमेरिकी अधिकारी

अमेरिका में कैबिनेट स्तर के कई मनोनीत और शीर्ष प्रशासनिक पदों पर नियुक्त लोगों तथा उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां मिली हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उन धमकियों के विरुद्ध कार्रवाई की है। प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि कल रात और आज सुबह मनोनीत तथा नियुक्त सदस्यों को धमकियां मिली हैं। कानून प्रवर्तन और अन्य अधिकारियों ने लक्षित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की।

पाकिस्ताम में अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए जारी किया अलर्ट, पेशावर का दौरा न करने को कहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी कर अपने नागरिकों को सुरक्षा चिंताओं के कारण 16 दिसंबर तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर का दौरा न करने की अपील की है। उन्होंने बुधवार को पेशावर के सेरेना होटल को खतरा, शीर्षक से एक सुरक्षा अलर्ट जारी किया था, जिसमें अमेरिकी मिशन के कर्मियों को पेशावर के इस होटल में जाने से बचने की सलाह दी गई थी। अमेरिकी मिशन की तरफ से सुरक्षा अलर्ट में कहा गया, अमेरिकी नागरिकों को इस अवधि के दौरान होटल और इसके आसपास के क्षेत्रों में जाने से बचने का अनुरोध किया जाता है। 10 सितंबर ककी एडवायजरी में खैबर पख्तूनख्वा को यात्रा न करें श्रेणी में स्तर–4 पर सूचीबद्ध किया गया है। आतंकवादी और विद्रोही समूह लगातार नागरिकों, गैर सरकारी संगठनों, सरकारी कार्यालयों और सुरक्षा बलों के खिलाफ हमले कर रहे हैं। एडवाइजरी में कहा गया, ऐसे समूह सरकारी अधिकारियों और नागरिकों को अपना निशाना बनाते हैं। यहां हत्या और अपहरण के प्रयास आम हैं। पोलियो उन्मूलन टीमों और पाकिस्तान सरकार की सुरक्षा सेवा (पुलिस और सैन्य) कर्मियों को निशाना बनाना भी शामिल है।

चार साल पहले मेटा ने ट्रंप पर लगाया था प्रतिबंध, अब खुद ही उनके घर डिनर पर पहुंचे कंपनी के मालिक जुकरबर्ग

वॉशिंगटन, एजेंसी। मेटा के मालिक मार्क जकरबर्ग ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित मार–ए–लागो एस्टेट पर बुधवार को डिनर किया। बताया गया है कि इस दौरान जकरबर्ग ने ट्रंप के साथ रिश्ते सुधारने के लिए उन्हें कई प्रस्ताव भी दिए। राष्ट्रपति के एक सलाहकार ने बताया कि अरबपति टेक कारोबारी जकरबर्ग अगले राष्ट्रपति के साथ मिलकर अमेरिका का राष्ट्रीय नवीनीकरण करना चाहते हैं। बता दें कि चार साल पहले राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की हार के बाद कैपिटल हिल पर हुई हिंसा को लेकर अधिकतर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने ट्रंप पर प्रतिबंध लगा दिए थे। इनमें फेसबुक और इंस्टाग्राम भी शामिल थे, जो कि जकरबर्ग की कंपनी मेटा का ही हिस्सा हैं। इस घटनाक्रम के बाद से ही ट्रंप ने अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल शुरू किया था। माना जा रहा है कि जकरबर्ग अब ट्रंप के साथ रिश्तों को बेहतर करना चाहते हैं। इसी के मद्देनजर इस साल अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जकरबर्ग ने अपनी पसंद का खुलासा नहीं किया। अब उनका ट्रंप से मिलने के लिए उनके आवास पर जाना भी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति से संबंध बेहतर करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मेटा के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा, ट्रंप की तरफ से डिनर के न्योते और उनसे मुलाकात को लेकर जकरबर्ग काफी शुक्रगुजार हैं। प्रवक्ता ने कहा कि यह अमेरिका में नवोन्मेष के भविष्य के लिए सबसे अहम समय है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस डिनर में एलन मस्क शामिल थे या नहीं। दरअसल, मस्क और जकरबर्ग का रिश्ता भी काफी सुर्खियों में रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी का भविष्य खतरे में हैं! PTI का विरोध प्रदर्शन बन रहा घाटे का सौदा ?

इस्लामाबाद,एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान की विपक्षी पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ ने 27 नवंबर को इस्लामाबाद में अपना विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया। इसके बाद रातों–रात सरकार ने कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप दो दिनों के हिंसक प्रदर्शनों के बाद सैकड़ों समर्थकों को गिरफ़्तार किया गया। इमरान खान के समर्थकों ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पुलिस के साथ एक "अंतिम आह्वान" प्रदर्शन के दौरान भीषण लड़ाई लड़ी थी, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। पाकिस्तानी सेना को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए गए थे; फिर भी प्रदर्शनकारी इस्लामाबाद के जीरो पॉइंट पर एकत्र हुए और डी–चौक की ओर बढ़ गए। खान के समर्थकों – जिनमें उनकी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के सदस्य भी शामिल थे – को शहर में पहुँचने और संसद के पास इकट्ठा होने से रोकने के लिए राजधानी की ओर जाने वाली सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया था। प्रदर्शनकारी अपने नेता इमरान खान की रिहाई की मांग कर रहे थे, साथ ही संवैधानिक बदलावों को वापस लेने की मांग कर रहे थे, जिनके बारे में उनका आरोप था कि इससे न्यायिक स्वतंत्रता कमज़ोर हुई है, और पिछले चुनावों के खिलाफ़, जिनके बारे में उनका दावा था कि वे सत्तारूढ़ दलों, पीएमएलएन और पीपीपी के पक्ष में धांधली कर रहे थे। इमरान खान ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तानी सेना और मौजूदा प्रशासन उनकी पार्टी के राजनीतिक प्रभाव को खत्म करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। अविश्वास प्रस्ताव के बाद खान को 2022 में सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार ने इन आरोपों से इनकार किया है। इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई पार्टी ने अगस्त 2018 में नेशनल असेंबली में बहुमत के साथ आम चुनाव जीता और सरकार बनाई। खान की जीत को पाकिस्तान के पारंपरिक राजनीतिक राजवंशों, विशेष रूप से नवाज़ शरीफ़ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (पीएमएल) और भुट्टो–जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) से अलग माना गया। उनके भ्रष्टाचार विरोधी अभियान और आर्थिक सुधार के वादों ने कई मतदाताओं को सही दिशा दी। हालाँकि, खान की जीत को व्यापक रूप से सेना द्वारा सुगम बनाया गया माना जाता था, जिसका पाकिस्तान की राजनीति पर लंबे समय से काफी प्रभाव रहा है। खान की सरकार को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जैसे बढ़ती मुद्रास्फीति और बीमार अर्थव्यवस्था। विपक्ष और सेना दोनों के साथ इसके संबंध लगातार तनावपूर्ण होते गए। खान और सेना के बीच तनाव 2022 में उनके पदच्युत होने के साथ समाप्त हुआ। अप्रैल 2022 में, पाकिस्तान की संसद में अविश्वास प्रस्ताव ने इमरान खान को सत्ता से बेदखल कर दिया, जिससे वे देश के इतिहास में इस तरह से पदच्युत होने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए। विपक्षी दलों ने खान पर अर्थव्यवस्था को गलत तरीके से प्रबंधित करने, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में विफल रहने और राजनीतिक सहयोगियों को अलग–थलग करने का आरोप लगाते हुए मतदान के लिए जोर दिया। हालांकि, खान ने खुद दावा किया कि उन्हें हटाने की साजिश सेना द्वारा की गई थी, जिसे वे कभी अपना सहयोगी मानते थे, और विदेशी ताकतें, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका, जो उनकी विदेश नीति के रुख से नाखुश थे। वोट के कारण च्ज्प् समर्थकों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया, जिन्होंने सेना और विपक्ष दोनों पर अपने नेता के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। ये विरोध कई जगहों पर हिंसक हो गए और राजनीतिक माहौल तेजी से अस्थिर हो गया। खान का निष्कासन पाकिस्तान की राजनीतिक दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिसमें सेना ने लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेता को हटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अगस्त 2023 में, तोशाखाना मामले में भ्रष्टाचार के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद इमरान खान को जेल की सजा सुनाई गई थी। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट के सदस्यों द्वारा अगस्त 2022 में दर्ज किए गए मामले में आरोप लगाया गया है कि खान ने पाकिस्तान के चुनाव आयोग (म्ब्) के साथ दायर वार्षिक संपत्ति घोषणाओं में तोशाखाना उपहारों का विवरण घोषित नहीं किया। ईसीपी ने जांच शुरू की, पक्षों की दलीलें सुनीं और 21 अक्टूबर, 2022 को अपना अंतिम फैसला सुनाया कि खान ने वर्ष 2020–21 के लिए अपनी संपत्ति और देनदारियों के बारे में गलत बयान और घोषणाएँ की थीं। देश भर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने उनकी रिहाई की मांग की और उन्हें राजनीतिक परिदृश्य से हटाने के लिए कानूनी व्यवस्था के कथित हथियारीकरण की निंदा की। पीटीआई ने कहा है कि आरोप राजनीति से प्रेरित हैं।

बांग्लादेश कोर्ट ने इस्कॉन प्रतिबंध पर लगाने से किया इनकार, सरकार को दे डाली बड़ी नसीहत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने गुरुवार को देश में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका की सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि सरकारी अधिकारियों ने आवश्यक कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट के वकील मोहम्मद मोनिर उद्दीन ने इस्कॉन की गतिविधियों पर समाचार पत्र रिपोर्ट प्रस्तुत की थी और अदालत से चट्टोग्राम, रंगपुर और दिनाजपुर में प्रतिबंध लगाने और धारा 144 लागू करने का अनुरोध किया था। इसके बाद अदालत ने अटॉर्नी जनरल से इस्कॉन के संबंध में सरकार की कार्रवाई की रिपोर्ट देने को कहा। गुरुवार को अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने अदालत को सूचित किया कि वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या और इस्कॉन की गतिविधियों के संबंध में तीन मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीठ ने सरकार को कानून–व्यवस्था सुनिश्चित करने और बांग्लादेश के नागरिकों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार पर बढ़ती चिंताओं के बीच, देश में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए एक नई याचिका दायर की गई है। कानूनी नोटिस में संगठन पर एक "कट्टरपंथी संगठन" होने का आरोप लगाया गया है जो राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने और सांप्रदायिक अशांति फैलाने वाली गतिविधियों में शामिल है। 10 अन्य कानूनी पेशेवरों की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वकील अल मामुन रसेल द्वारा प्रस्तुत याचिका में सरकारी कानूनी अधिकारी एडवोकेट सैफुल इस्लाम की कथित हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों से पता चलता है कि उस देश की अंतरिम सरकार "कट्टरपंथियों के चंगुल" में है। उन्होंने इस मामले में संयुक्त राष्ट्र से हस्तक्षेप करने को कहा। बांग्लादेश में एक हिंदू नेता की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के हमले मानवता के खिलाफ हैं। भाजपा ने हालांकि इस संबंध में कोई टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा कि वह इस मुद्दे पर विदेश मंत्रालय द्वारा अपनाए गए "उचित रुख" के साथ खड़ी है। भारत ने बांग्लादेश में दास को गिरफ्तार किए जाने और उन्हें जमानत नहीं दिए जाने पर मंगलवार को "गहरी चिंता" जताई थी और बांग्लादेशी प्राधिकारियों से हिंदुओं एवं सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की थी।

'ट्रंप ने मदद रोकी तो समझो खत्म हो जाएगी यूक्रेनी सेना', सुरक्षा परिषद में रूसी राजदूत की चेतावनी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में रूस उप–राजदूत ने बुधवार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने यूक्रेन की मदद में कटौती का फैसला किया तो ये यूक्रेनी सेना के लिए मृत्युदंड के समान होगा। रूस ने यूक्रेन पर नाटो देशों को रूस के खिलाफ भड़काने और संघर्ष में शामिल करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद रूस के उप–राजदूत दिमित्री पोलिंस्की ने कहा कि अमेरिका की निवर्तमान बाइडन सरकार यूक्रेन को मदद देकर रूस और व्हाइट हाउस में भी गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश कर रही है।

रूस–यूक्रेन जंग रोकने को बेहद गंभीर हैं ट्रंप

पोलिंस्की ने तंज कसते हुए कहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने को लेकर डरे हुए थे और उनका डरना जायज भी है। उन्होंने कहा कि अगर ट्रंप, यूक्रेन की मदद नहीं भी रोकते हैं, लेकिन ये तय है कि वे यूक्रेन को दी जाने वाली मदद का विश्लेषण जरूर करेंगे। वहीं रूस के इस दावे पर अभी तक ट्रंप की टीम की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप खुद रूस और यूक्रेन की जंग रोकने को लेकर गंभीर हैं और वे कीथ केलॉग को यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए विशेष दूत नियुक्त करने पर विचार कर रहे हैं। कीथ केलॉग एक सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल हैं। कीथ ने रूस–यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की योजना भी योजना भी बनाई हुई है।

दुनिया वैश्विक परमाणु संघर्ष के मुहाने पर खड़ी

रूसी राजदूत ने कहा कि रूस ने बार–बार बातचीत की कोशिश की है, लेकिन यूक्रेन और उसके पश्चिमी समर्थक युद्ध को बढ़ाने में जुटे हैं। पोलिंस्की ने चेतावनी देते हुए कहा कि बाइडन सरकार और अन्य यूरोपीय सहयोगियों द्वारा यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल करने की मंजूरी देने से दुनिया वैश्विक परमाणु संघर्ष के मुहाने पर आ खड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। पोलिंस्की ने कहा कि अगर हम पर हमला हुआ तो जिस देश ने यूक्रेन को हथियार मुहैया कराए, उन पर हमला करना हमारा अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के उप–राजदूत रॉबर्ट वुड ने कहा है कि अमेरिका यूक्रेन की सहायता करना जारी रखेगा।

आग लगने के बाद फैले प्रदूषण से दुनिया में हर साल 15 लाख मौतें, इसका भारत पर कितना असर? स्टडी में खुलासा

लंदन, एजेंसी। आग लगने के बाद फैलने वाला वायु प्रदूषण हर साल दुनियाभर में 15 लाख मौतों की वजह बना रहा है। मेडिकल

जर्नल लांसेट में छपी एक स्टडी के जरिए यह खुलासा हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस तरह के मामले सबसे ज्यादा विकासशील देशों में दर्ज किए गए हैं। स्टडी के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन के साथ जैसे–जैसे जंगलों में आग लगने की घटनाएं बारंबार और भीषण होती जाएंगी, वैसे ही मौतों की संख्या भी बढ़ने का खतरा पैदा होता जाएगा। मौजूदा डाटा के आधार पर रिसर्चर्स की अंतरराष्ट्रीय टीम ने इस पर स्टडी की है। इसमें पाया गया कि साल 2000 से 2019 के बीच हर साल आग लगने के बाद फैला प्रदूषण बड़े स्तर पर दिल की बीमारियों का कारण बनता है और इससे 4,50,000 लाख मौतें हो जाती हैं। इसके अलावा पाया गया कि हर साल यही आग से पैदा हुआ प्रदूषण लोगों में सांस की बीमारी का खतरा भी पैदा करता है और 2,20,000 मौतों का कारण बनता है। आग से पैदा हुए प्रदूषण और इसके शरीर पर पड़ने वाले अलग–अलग प्रभावों के कारण दुनियाभर में हर साल 15.3 लाख मौतें होती हैं। स्टडी में कहा गया है कि इस तरह की 90 फीसदी मौतें निम्न या मध्यम आय वाले देशों में होती है। इनमें 40 फीसदी तो अकेले सहारा रेगिस्तान के करीब पड़ने वाले अफ्रीकी देशों में होती हैं। आग के बाद फैले प्रदूषण से जिन देशों में मौतों का रिकॉर्ड सबसे ज्यादा है, उनमें एक नाम भारत का भी है। इसके अलावा चीन, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, इंडोनेशिया और नाइजीरिया में भी इस कारण से सबसे ज्यादा मौतें दर्ज की जाती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर साल खेतों को अवैध तरीके से जलाने की घटना सामने आई है जो कि जहरीले स्मॉग का कारण बनता है और हाल ही में इससे दिल्ली की वायु गुणवत्ता भी बेहद खराब और गंभीर की श्रेणी में चली गई थी। लांसेट की स्टडी में इस स्थिति से निपटने और मौतों के बढ़ते आंकड़े को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की गई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,करेलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।